दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-30 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शनिवार 07 मार्च 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

अदालत के आदेशों का पालन न करना, आजकल फैशन बन गया. सुप्रीम कोर्ट ने जाहिर की नाराजगी

नई दिल्ली,(ए.)। सुप्रीम कोर्ट ने अदालत के आदेशों का पालन न करने और अवमानना याचिका दायर होने पर देरी से अपील दाखिल करने की प्रवृत्ति पर कड़ी नाराजगी जता दी है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि यदि इसतरह के मामलों में सख्ती नहीं दिखाई गई, तब न्यायपालिका में लोगों का भरोसा कमजोर पड़ सकता है। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्ला और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि हाल के वर्षों में देखने में आया हैं कि अदालत के आदेशों का लंबे समय तक पालन नहीं होता और जब अवमानना याचिका दायर होती है, तब उसके बाद काफी देरी के साथ अपील या पुनर्विचार याचिका दाखिल होती है। शीर्ष अदालत ने कहा कि अपील में देरी अपवाद होनी चाहिए, लेकिन अब यह करीब-करीब नियम बनती जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि इस तरह की प्रवृत्ति को स्वीकार नहीं कर सकते है। शीर्ष अदालत के अनुसार, जब कोई पक्ष जानबूझकर अदालत के आदेशों का पालन नहीं करता, इस आचरण से न्यायपालिका की गरिमा और कानून के शासन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस तरह के मामलों में यह आचरण कई बार आपराधिक अवमानना की सीमा तक पहुंच सकता है। अदालत ने कहा कि यदि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट इन मामलों में दृढ़ता नहीं दिखाते, तब देश के आम नागरिकों का न्यायपालिका में अटूट विश्वास कमजोर पड़ सकता है। अदालत के अनुसार, आदेश की जानकारी होने के बावजूद यदि कोई पक्ष जानबूझकर उस आदेश का पालन नहीं करता, तब वहां अवमानना के दायरे में आएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अवमानना की कार्यवाही केवल अदालत में पक्षकार रहे व्यक्तियों तक सीमित नहीं होगी।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी छत्तीसगढ़ सरकार के अधिकारियों के खिलाफ दायर अवमानना याचिका की सुनवाई के दौरान की। मामला कर्मचारियों की सेवाओं के नियमितीकरण से जुड़े आदेश के पालन न करने से जुड़ा था। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार के अधिकारियों को आदेश लागू करने के लिए अंतिम मौका देकर 15 दिन का समय दिया है।

जम्मू और कश्मीर के बडगाम में कश्मीर घाटी में लोगों की आवाजाही पर लगी पाबंदियों के बीच खामेनेई की हत्या के विरोध में लोग ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की तस्वीरें को लेकर प्रदर्शन करते हुए।

सुखोई हादसे में दोनों पायलट बलिदान, जोरहाट एयरबेस से उड़ान भरने के बाद लड़ाकू विमान हुआ था लापता

नई दिल्ली (आरएनएस)। असम में वायु सेना का एक सुखोई-30 MKI लड़ाकू विमान एक प्रशिक्षण मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। यह विमान कार्बी आंगलोंग जिले के पहाड़ी और जंगली इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। इस दुखद घटना में विमान में सवार दोनों पायलट बलिदान हो गए।

वायु सेना के अधिकारियों ने बताया कि यह विमान एक नियमित प्रशिक्षण मिशन पर निकला था। इसने गुरुवार शाम को जोरहाट एयरबेस से उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद विमान का संपर्क कंट्रोल रूम से टूट गया और वह रडार से अचानक गायब हो गया। इसके बाद वायु सेना ने तुरंत तलाशी अभियान शुरू किया। जिसके बाद शुक्रवार सुबह विमान का मलबा मिला।मामले को लेकर एक रक्षा अधिकारी ने जानकारी दी कि वायु सेना की सर्च और रेस्क्यू टीम, सिविल और पुलिस प्रशासन और गांववालों की मदद से, रात करीब एक बजे घटनास्थल पर गई और दुर्घटनाग्रस्त विमान का मलबा ढूंढ निकाला। यह जगह जोरहाट एयरबेस से लगभग 60 किलोमीटर दूर एक दुर्गम इलाके में है।

प्रदेश में मार्च में ही अप्रैल जैसी तपिश, पारा 39 डिग्री पार, 4 दिन में 40 डिग्री तक पहुंचने के आसार

भोपाल, (आरएनएस)। मध्य प्रदेश में मार्च की शुरुआत से ही गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं और मौसम का मिजाज अप्रैल जैसा हो गया है। प्रदेश के कई शहरों में तापमान 39 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। अगले चार दिनों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जा सकता है। गुरुवार को नर्मदापुरम में इस सीजन में पहली बार तापमान 39 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार, सामान्य तौर पर प्रदेश में तेज गर्मी का दौर मार्च के दूसरे पखवाड़े में शुरू होता है, लेकिन इस बार मौसम का ट्रेंड बदला हुआ नजर आ रहा है। पिछले दस वर्षों में 15 मार्च के बाद तापमान तेजी से बढ़ा है, जबकि इस बार महीने की शुरुआत में ही तापमान में उछाल देखने को मिल रहा है। ग्वालियर, चंबल और सागर संभाग के शहर इस समय सबसे ज्यादा गर्म हैं, जहां अधिकतम तापमान सामान्य से करीब 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक अधिक दर्ज किया जा रहा है।प्रदेश के पूर्वी हिस्से से एक टर्फ लाइन गुजर रही है और साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी सक्रिय है, लेकिन इसका मध्य प्रदेश पर खास असर नहीं पड़ रहा है। आसमान साफ होने की वजह से सूरज की तेज धूप सीधे जमीन पर पड़ रही है, जिससे दिन के तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है और गर्मी का असर बढ़ गया है। गुरुवार को प्रदेश के पांच बड़े शहरों में से चार इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, जबकि भोपाल में अधिकतम तापमान 34.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। नर्मदापुरम प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इसके अलावा छतरपुर के खजुराहो में 36.8 डिग्री, धार में 36.6 डिग्री, दमोह, सागर और श्योपुर में 36.4 डिग्री, रतलाम में 36.2 डिग्री तथा गुना और टीकमगढ़ में 36 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। शाजापुर, मंडला और सतना में भी पारा 35 डिग्री या उससे अधिक रहा। रात के तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है और कई जगहों पर यह 18 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है।मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले चार दिनों के भीतर प्रदेश के अधिकतम तापमान में करीब 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है।

प्रदेश में बन रहा है इलेक्ट्रिक व्हीकल मैन्युफैक्चरिंग के लिए सशक्त ईको सिस्टम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नीतिगत प्रोत्साहन, मजबूत औद्योगिक आधार और सस्ती बिजली से ईवी निवेश के लिए अनुकूल वातावरण

भोपाल, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) मैन्युफेक्चरिंग के क्षेत्र में तेजी से उभरते केंद्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। प्रदेश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को प्रोत्साहित करने के लिए मजबूत औद्योगिक आधार, उन्नत परीक्षण अधोसंरचना, ऊर्जा उपलब्धता और निवेश अनुकूल नीतियों के माध्यम से एक सशक्त ईको सिस्टम विकसित किया जा रहा है। इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी 2025 और इंडस्ट्रियल प्रमोशन पॉलिसी-2025 के माध्यम से ईवी और उससे जुड़े कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरिंग को व्यापक प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिससे प्रदेश में उत्पादन, निवेश और रोजगार के नए अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर ऑटोमोबाइल उद्योग तेजी से इलेक्ट्रिफिकेशन की दिशा में बढ़ रहा है और भारत भी इस परिवर्तन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन रहा है। भारत आज विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार है और यह क्षेत्र राष्ट्रीय जीडीपी में लगभग 7 प्रतिशत का योगदान देता है। इलेक्ट्रिक वाहन आधारित अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ बैटरी तकनीक, अनुसंधान एवं विकास, सॉफ्टवेयर, मेंटेनेंस और संबंधित सेवाओं सहित कई क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर विकसित हो रहे हैं। मध्यप्रदेश इस परिवर्तन को अवसर के रूप में लेते हुए इलेक्ट्रिक व्हीकल और ऑटोमोबाइल कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरिंग के लिए स्वयं को एक सशक्त औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित कर रहा है। राज्य में पीथमपुर देश के प्रमुख ऑटोमोबाइल क्लस्टर्स में से एक है, जहां 200 से अधिक ऑटोमोबाइल कम्पोनेंट निर्माता संचालित हैं और हजारों लोगों को रोजगार मिला है।

तेलंगाना में नई राजनीतिक पार्टी बनाएंगी के कविता, चंद्रशेखर राव की बेटी का बड़ा एलान

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत राष्ट्र समिति की पूर्व सदस्य और के चंद्रशेखर राव की बेटी, के कविता तेलंगाना में एक नई पार्टी बनाने जा रही हैं। के कविता ने यह एलान तब किया, जब दिल्ली की एक कोर्ट ने उन्हें और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत 23 लोगों को दिल्ली शराब घोटाले के मामले में बरी कर दिया।दिल्ली शराब घोटाले में बरी होने के बाद के कविता तिरुमाला में तिरुपति बालाजी मंदिर गईं। एएनआई से बात करते हुए के कविता ने कहा, मुझे उम्मीद है कि भगवान बालाजी के आशीर्वाद से हम जल्द ही तेलंगाना राज्य में एक पॉलिटिकल पार्टी बनाने जा रहे हैं। के कविता ने आगे कहा, पूरे देश ने देखा है कि कैसे हमारे साथ इस तरह का भेदभाव किया गया है और कैसे केंद्र सरकार एजेंसियों के जरिए हमें इस तरह की विच हंट का शिकार बनाया जाता है।

मशहूर रैपर बादशाह के नए गाने ने बढ़ाई मुश्किलें, स्कूल की बच्चियों से करवाई ऐसी हरकत कि भड़क उठा महिला आयोग

चंडीगढ(आरएनएस)। बॉलीवुड के मशहूर रैपर आदित्य प्रतीक सिंह सिसोदिया उर्फ 'बादशाह' एक बार फिर बड़े विवाद में फंस गए हैं और इस बार मामला सीधा महिला आयोग की चौखट तक पहुंच गया है। हाल ही में रिलीज हुए हरियाणवी लोकगीत 'टटीरी' के रैप वर्जन को लेकर हरियाणा राज्य महिला आयोग ने बेहद सख्त रुख अपनाते हुए बादशाह को समन जारी कर तलब किया है। बादशाह पर आरोप है कि उन्होंने अपने नए म्यूजिक वीडियो में सरकारी स्कूल की यूनिफॉर्म पहने छोटी बच्चियों को बस के ऊपर चढ़ाकर डांस करवाया और उनके हाथों से स्कूल के बैग फिंकवाए हैं।

खामेनेई की मौत के विरोध में प्रदर्शन की आशंका के चलते कश्मीर घाटी में सख्त प्रतिबंध

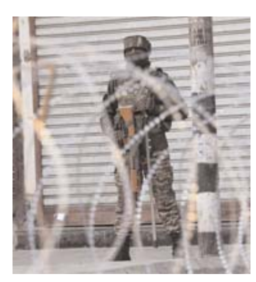

श्रीनगर, (आरएनएस)। कश्मीर घाटी में शुक्रवार को लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध और कड़े कर दिए गए हैं। अधिकारियों को आशंका है कि आज दोपहर की नमाज के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के विरोध में प्रदर्शन हो सकते हैंअमेरिका-इजराइल के संयुक्त हमलों में खामेनेई की मौत के विरोध में लगातार छठे दिन घाटी में जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा। प्रदर्शनों के बाद सोमवार को यह प्रतिबंध लगाए गए। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को नागरिक समाज के प्रतिनिधियों और धार्मिक नेताओं के साथ बैठक की ताकि स्थिति को सामान्य किया जा सके।बैठक के बाद अब्दुल्ला ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की ।

हैवानियत : बीच सड़क पर युवक को हथौड़े से कूचा, फिर इंसान का खून पीकर खा गया भेजा; कांप जाएगी रूह

दमोह ,(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के दमोह जिले से एक ऐसी रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है, जिसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। इंसानियत की सारी हदें पार करते हुए एक सिरफिरे ने बीच सड़क पर न सिर्फ एक बेगुनाह युवक की बेरहमी से हत्या कर दी, बल्कि उसके बाद जो खौफनाक दरिंदगी की, उसे देखकर किसी के भी होश उड़ जाएंगे। इस रूह कंपा देने वाली घटना का खौफनाक वीडियो सामने आने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

बालकनी से खौफनाक मंजर देखते रहे लोग

यह दिल दहला देने वाली घटना देहात थाना क्षेत्र के समन्ना गांव की है। अर्थखेड़ा गांव का रहने वाला भरत विश्वकर्मा अपनी बहन से मिलने उसके घर बाइक से जा रहा था। वह जैसे ही अपनी बहन के घर के सामने पहुंचा, तभी एक अनजान शख्स ने अचानक उसके सिर पर हथौड़े से जोरदार वार कर दिया। भरत लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा, लेकिन हमलावर पर खून सवार था। उसने लोहे की रॉड से भरत पर कई जानलेवा वार किए। हैवानियत की हद तो तब पार हो गई, जब वह हत्यारा बीच सड़क पर मृतक युवक का मांस खाने और उसका खून पीने लगा। आस-पास के लोग अपनी बालकनियों से सहमे हुए यह भयानक मंजर देखते रहे और कुछ लोगों ने इस खौफनाक दरिंदगी को अपने मोबाइल कैमरों में कैद कर लिया। खौफनाक वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची, लेकिन खून से सने इस हैवान को पकड़ने की किसी की हिम्मत नहीं हो रही थी। खून का प्यासा यह हत्यारा पुलिस और वहां मौजूद ग्रामीणों पर भी हमला करने पर उतारू था। काफी मशक्कत के बाद, लोगों ने उसे चारों तरफ से घेरा और तब जाकर पुलिस उसे अपनी गिरफ्त में ले सकी। इस पूरी जद्दोजहद का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।गंभीर रूप से घायल भरत को तुरंत दमोह के जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस की शुरुआती जांच में यह चौंकाने वाली बात सामने आई है कि आरोपी और मृतक भरत के बीच पहले से कोई दुश्मनी या विवाद नहीं था। बताया जा रहा है कि आरोपी मानसिक रूप से विक्षिप्त (साइको) है और उसी सनक में उसने इस अकल्पनीय और वीभत्स हत्याकांड को अंजाम दिया है।

पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है, लेकिन इस घटना के बाद समन्ना गांव और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है।

एजेंट अर्थव्यवस्था की नई संरचनाः भारत में एआई और क्रिप्टो की महत्वपूर्ण भूमिका

नई दिल्ली, (आरएनएस) । जब जनरेटिव एआई ने पहली बार वैश्विक स्तर पर ध्यान आकर्षित किया, तब क्रिप्टो जगत की प्रतिक्रिया काफी सतही और अनुमानित थी। उपयोगिता पर ध्यान देने के बजाय बड़ी संख्या में "एआई टोकन" केवल ट्रेंड और कथानक की लहर पर सवार दिखाई दिए। लेकिन 2026 की शुरुआत तक यह दौर धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगा है। अब इसकी जगह एक अधिक गंभीर और दिलचस्प दिशा उभर रही है। एआई और क्रिप्टो का वास्तविक मेल बड़े भाषा मॉडलों को ब्लॉकचेन पर रखने का प्रश्न नहीं है। असल मुद्दा यह है कि ब्लॉकचेन नेटवर्क को एक साझा भरोसेमंद आधारभूत ढांचे के रूप में इस्तेमाल किया जाए—ऐसा ढांचा जो एआई आधारित अर्थव्यवस्था में गतिविधियों की पुष्टि कर सके, प्रोत्साहनों में संतुलन बना सके, डिजिटल संसाधनों का मूल्य निर्धारित कर सके और ऐसे प्रतिभागियों के बीच भी ऑडिट योग्य रिकॉर्ड बनाए रख सके जो एक-दूसरे को न जानते हों और न ही एक-दूसरे पर भरोसा करते हों। यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि एआई और ब्लॉकचेन मूल रूप से अलग-अलग समस्याओं को हल करने के लिए बनाए गए हैं।

राहुल गांधी ने भारत की विदेश नीति पर सवाल उठाकर कहा, प्रधानमंत्री समझौतावादी

नई दिल्ली (ए)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने फिर विदेश नीति को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सवाल उठाकर टिप्पणी की है। राहुल गांधी के सोशल मीडिया अकाउंट पर 11 फरवरी को लोकसभा में दिए गए भाषण का वीडियो पोस्ट लिखा है, भारतीय विदेश नीति हमारे लोगों की सामूहिक इच्छा से उत्पन्न होती है। यह हमारे इतिहास, हमारी भौगोलिक स्थिति और सत्य एवं अहिंसा पर आधारित हमारी आध्यात्मिक विचारधारा में निहित होनी चाहिए। राहुल गांधी ने वीडियो पोस्ट कर लिखा है, 11 फरवरी 2026 को लोकसभा में विपक्ष के नेता ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा के खतरे में होने की चेतावनी दी। अमेरिका ही तय करेगा कि हम किससे तेल खरीद सकते हैं और किससे नहीं। चाहे रूस से खरीदना हो या ईरान से, अमेरिका ही फैसला करेगा। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री फैसला नहीं कर रहे है। एक दिन पहले 5 मार्च को भी राहुल गांधी ने कहा था, विश्व एक अस्थिर दौर में प्रवेश कर चुका है। आगे भयंकर संकट मंडरा रहा है। भारत की तेल आपूर्ति खतरे में है, क्योंकि हमारे आयात का 40 फीसदी से अधिक हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। एलपीजी और एलएनजी के लिए स्थिति और भी बदतर है। संघर्ष हमारे पड़ोस तक पहुंच गया है, हिंद महासागर में एक ईरानी युद्धपोत डूब गया है। फिर भी प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। इस समय में हमें एक स्थिर नेतृत्व की आवश्यकता है। इसके विपरीत भारत के पास एक इसतरह के प्रधानमंत्री हैं, जो समझौतावादी हैं और रणनीतिक स्वायत्तता को त्याग दिया है।हालांकि पिछले सप्ताह इजरायल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष के बाद कच्चे तेल की कीमतों में 15 प्रतिशत से अधिक उछाल देखा गया था, लेकिन शुक्रवार सुबह तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। इसकी मुख्य वजह यह रही कि अमेरिका ने भारतीय रिफाइनरियों को समुद्र में फंसे रूसी कच्चे तेल को खरीदने के लिए 30 दिन की अस्थायी छूट देने का फैसला किया है।

किसानों की समृद्धि के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है सरकार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

वर्ष 2026-27 के लिए गेहूं के एमएसपी पर किसानों को मिलेगा 40 रुपए प्रति क्विंटल बोनस गेहूं उत्पादक किसानों को 2625 रुपए प्रति क्विंटल की दर से होगा भुगतान

भोपाल(निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार कृषि कल्याण वर्ष 2026 में किसानों की समृद्धि के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। किसानों की फसलों का उचित दाम मिले, इसके लिए उड़द खरीदी पर 600 रुपए प्रति क्विंटल बोनस की घोषणा की गई है। प्रदेश के किसान उड़द लगाएं, ताकि उन्हें इस बोनस का भरपूर लाभ मिल सके और अगली फसल की तैयारी भी हो जाए। राज्य सरकार ने गेहूं उत्पादक किसानों को भी गत वर्षों के तरह बोनस की सौगात दी है। इस वर्ष 2026-27 के लिए गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 40 रुपए प्रति क्विंटल बोनस दिया जाएगा। इससे किसानों को 2625 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं का भुगतान प्राप्त होगा। राज्य सरकार ने किसानों के हित में अपने संकल्प-पत्र में वर्ष 2028 तक 2700 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं खरीदने का संकल्प लिया है। आगामी वर्षों में हम इस लक्ष्य को पूरा कर उससे भी आगे निकलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बिजली संबंधी शिकायतों का निराकरण स्थानीय स्तर पर करने की व्यवस्था स्थापित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह विचार शुक्रवार को भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधियों के साथ समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में आयोजित बैठक में व्यक्त किए। बैठक में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, नीरज मंडलोई सहित कृषि, राजस्व, सहकारिता, जल संसाधन, उद्यानिकी तथा अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश, देश का फूड बास्केट है, जहां दलहन, तिलहन और सब्जी उत्पादन अच्छी मात्रा में हो रहा है। हमारे राज्य के किसान आगे बढ़ें और समृद्ध हों, इसके लिए सरकार निरंतर किसान हितैषी निर्णय ले रही है। कुछ स्थानों पर गेहूं खरीदी के लिए पंजीयन में कठिनाई सामने आई

है। इसे ध्यान में रखकर गेहूँ उपार्जन पंजीयन की अंतिम तिथि 7 मार्च से बढ़ाकर 10 मार्च की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को सिंचाई के लिए दिन में बिजली उपलब्ध कराई जाएगी, इससे रात के समय बिजली से सिंचाई के कारण होने वाले संकटों से बचा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय किसान संघ की ओर से किसानों के हित में प्राप्त सुझावों पर भी राज्य सरकार विचार करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में भूमि अधिग्रहण पर मुआवजा राशि बढ़ाने, जंगली जानवरों द्वारा फसल नुकसान पर मुआवजे, मंडी अधिनियम के प्रावधानों, फसल गिरदावरी, अविवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन के लिए समय-सीमा निर्धारित करने, विद्युत प्रदाय और सिंचाई व्यवस्था जैसे विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को क्वींस ऑन द व्हील्स को करेंगे फ्लैग ऑफ

देशभर की 25 महिला बाइकर्स करेंगी भोपाल से खजुराहो की 1,400 किमी लंबी बाइक ट्रेल

भोपाल(ए)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को मुख्यमंत्री निवास से सुबह 9 बजे 'क्वींस ऑन द व्हील्स' के तीसरे संस्करण को फ्लैग ऑफ करेंगे। प्रदेश के समृद्ध व ऐतिहासिक पर्यटन गंतव्यों को देश-दुनिया में प्रचारित करने के उद्देश्य से 25 महिला सुपर बाइकर्स को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। 'क्वींस ऑन द व्हील्स' के पिछले दो संस्करणों की सफलता के बाद, महिला सशक्तिकरण, स्वतंत्रता एवं विरासत का यह 7 दिवसीय आयोजन भोपाल से खजुराहो तक लगभग 1,400 किलोमीटर लंबी बाइक ट्रेल को पूरा करेगा। सचिव पर्यटन और प्रबंध संचालक मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड डॉ. इलैयराजा टी ने बताया कि एमपी टूरिज्म बोर्ड की पहल क्वींस ऑन द व्हील्स' केवल एक बाइक राइड नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण, साहस और मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक एवं पर्यटन धरोहर का उत्सव है। हमें गर्व है कि देशभर से आईं 25 महिला सुपरबाइकर्स इस अनूठी यात्रा के माध्यम से भोपाल से खजुराहो तक प्रदेश के विविध पर्यटन स्थलों का अनुभव करेंगी और उन्हें देश-दुनिया तक पहुंचाने में सहभागी बनेंगी। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड का उद्देश्य ऐसे नवाचारपूर्ण आयोजनों के माध्यम से प्रदेश को एक सुरक्षित, रोमांचक और विश्वस्तरीय पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करना है।

बदमाशो ने युवक को अगवा कर दो घंटो तक बेल्ट, डंडों, लात-घूसों से जमकर पीटा

- पिटाई के बाद अस्पताल पहुचांया फिर फोन कर युवक के परिवार को दी खबर

भोपाल(ए)। नये शहर के कोलार थाना इलाके में एक कपड़े की दुकान पर सेल्समेन की नौकरी करने वाले युवक का बदमाशों ने अपहरण कर लिया। उसे जर्बदस्ती कार में बैठाकर सुनसान इलाके में ले गेय और वहॉ उसके साथ करीब दो घंटे तक बेल्ट, डंडों और लात-घूसों से जमकर मारपीट की। बाद

में सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने आरोपियो के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती युवक का इलाज जारी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दिनेश अहिरवार (22) कोलार इलाके में एक गार्मेंट्स की दुकान पर काम करता है। उसने अपने बयानो में पुलिस को बताया कि बीती 4 मार्च बुधवार को दोपहर करीब एक बजे वह बांसखेड़ी पुलिया के पास से पैदल जा रहा था। तभी उसे आरोपियो निक्की शुक्ला, आकाश प्रजापति, तिलक चौहान, दिव्यांशु, नन्नू, अजय और अमन प्रजापति ने रोक लिया। दिनेश का कहना है की आरोपियो की इलाके के ही रहने वाले विशु शर्मा से अनबन चल रही है, और उसकी विशु से भी दोस्ती है, जिसके चलते वह अक्सर उससे मिलता जुलता रहता है। आरोपियों ने इसी बात को लेकर उससे कहा कि उनकी विशु से पुरानी रंजिश है। और वह भी विशु के साथ क्यों घूमता है, और अब उससे संबध रखने का अंजाम तुझे भी भुगतना होगा। यह धमकी देते हुए आरोपियो ने उसपर दबाव बनाकर जबरन कार में बैठाकर सोम्या ग्रीन सिटी कॉलोनी के पास एक सुनसान स्थान पर ले गए। और वहां उसे घेरकर डंडे, लाठी, बेल्ट और लात-घूसों से जमकर पीटा। आरोपियो की पिटाई से वह बेहोश हो गया। दिनेश ने अपनी शिकायत में आगे बताया की बेहोश होने के बाद आरोपी अपने साथी अनस खान के साथ उसे अस्पताल ले गये। बाद में अस्पताल से ही दिनेश के मोबाइल से दिनेश की बहन शिवानी अहिरवार को फोन कर कहा गया कि दिनेश का एक्सीडेंट हो गया है।

विभागीय योजनाएं, निर्माण कार्यों एवं शैक्षणिक व्यवस्था समय-सीमा में हो - संभागायुक्त श्री सिंह

संभागायुक्तन ने सभी जिला पंचायत के कार्यों की समीक्षा की लक्ष्य के अनुरूप सभी कार्य 31 मार्च तक पूर्ण करें - संभागायुक्त श्री सिंह

भोपाल(निप्र)। संभागायुक्त संजीव सिंह की अध्यक्षता में विभागीय योजनाओं, निर्माण कार्य एवं विकास कार्यों की समीक्षा संभागीय सभागृह में आयोजित की गई। बैठक में विभागवार कार्यों की समीक्षा की गई। संभागायुक्त श्री सिंह ने जिला स्तरीय वन अधिकार समिति में निराकृत एवं लंबित प्रकरणों, दावा आपत्तियों की विस्तृत समीक्षा की। जिसमें समीक्षा बैठक में वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तन, एफआरए के पट्टाधारियों को शासन की योजनाओं से लाभांवित करना, अनुसूचित जाति एवं जनजाति छात्रावासों, आश्रमों में निर्माण एवं मरम्मत कार्य, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास, धरती आवा ग्राम उत्कर्ष योजना के साथ-साथ हितग्राहीमूलक योजनाओं की विस्तृत समीक्षा कर बजट एवं लक्ष्य की पूर्ति समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।संभागायुक्त श्री सिंह ने स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए ड्राप आउट विद्यार्थियों की जानकारी एवं कमी की पूर्ति करने के लिए आगामी एक वर्ष की रणनीति बनाकर कार्य करने के लिए विद्यार्थियों का ड्राप आउट रोकने के लिए ऑनलाइन टीसी जारी करने, कक्षा 5वीं एवं कक्षा 8वीं में अध्ययरन छात्रों का शत-प्रतिशत कक्षा 6वीं एवं नवीन कक्षा में प्रवेश सुनिश्चित करने के नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए। प्रथम कक्षा में प्रवेश की विशेष कार्य योजना बनाकर नामांकन में वृद्धि करने के लिए घर - घर सर्वे अभियान, प्रवेश उत्सव का आयोजन, जनजागरूक गतिविधियां, शासकीय योजनाओं का प्रचार - प्रसार एवं गत वर्ष की विद्यालय की उपलब्धियां बताकर कार्य करना सुनिश्चित करें।

पारंपरिक खेती से प्रगतिशील बागवानी तक का सफर

श्री कुशवाह बने ऑटोमेशन सिस्टम से फूलों की खेती करने वाले भोपाल के पहले किसान

भोपाल(निप्र)। भोपाल जिले के फन्दा क्षेत्र के ग्राम बरखेड़ा बोंदर के रामसिंह कुशवाह कभी धान, गेहूं और सोयाबीन जैसी पारंपरिक फसलों पर निर्भर रहकर सीमित आय अर्जित करने वालेकिसान रहे है। आज वे फूलों और फलों की आधुनिक खेती से प्रतिमाह लाखों रुपये की आमदनी प्राप्त कर रहे हैं। उनकी यह यात्रा केवल आर्थिक उन्नति की कहानी नहीं, बल्कि किसान सशक्तिकरण और नवाचार की प्रेरक मिसाल है।श्री कुशवाह कहते हैं, मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। सरकार की एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना ने हमें आत्मनिर्भर बनाया है और समाज में एक नई पहचान दी है। श्री कुशवाह का परिवार वर्षों से पारंपरिक खेती करता आ रहा था,जिसमें बढ़ती लागत और कम लाभ के कारण आर्थिक चुनौतियाँ बनी रहती थीं। इसी दौरान उन्हें उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित एकीकृत बागवानी विकास योजना की जानकारी मिली। उन्होंने राष्ट्रीय विकास परियोजना के अंतर्गत इस योजना का लाभ लेते हुए एक हजार स्क्यायर फिट में पॉली हाउस बनाकर फूलों (गुलाब और जरबेरा) की खेती प्रारंभ की।

एमपी नगर सहित कई क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई, ठेले-गुमठी समेत सामान जब्त

भोपाल (ए.)। भोपाल नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने शुक्रवार को कई इलाकों में अभियान चलाकर अवैध अतिक्रमणों को हटाया और बड़ी मात्रा में सामान जब्त किया। नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर निगम के दलों ने कोलार कान्हा कुंज, परफेक्ट प्लाजा, 80 फीट बांसखेड़ी, आलोक धाम, डीमार्ट, जे.के. रोड, सिग्नेचर-99, सर्वधर्म पुलिया, चूना भट्टी थाना क्षेत्र, कलियासोत डेम, 12 नंबर, शाहपुरा, कैंपियन स्कूल, 1100 क्वार्टर, भारत माता चौराहा, पीएनटी, रातीबड़, जवाहर चौक, सरस्वती नगर, टीटी नगर थाना, न्यू मार्केट, एमपी नगर जोन-02, एम्स, साकेत नगर, रचना टावर, प्रभात चौराहा, रायसेन रोड, अप्सरा टॉकीज, अवधपुरी, वर्धमान ग्रीन वेली कॉलोनी, सुभाष नगर फाटक, अशोका गार्डन, जहांगीराबाद, हमीदिया रोड, रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म नंबर-6, टीला जमालपुरा, आरिफ नगर, बैरसिया रोड, नवीबाग और लालघाटी विजय नगर ब्रिज के नीचे सहित कई स्थानों पर कार्रवाई की।अभियान के दौरान नवीबाग और वसुंधरा कॉलोनी में अवैध रूप से बनाए गए एक-एक चबूतरे को हटाया गया। वहीं कोलार कान्हा कुंज झुग्गी बस्ती में बनी अवैध पानी की टंकी और ग्रीन वेली कॉलोनी में बनाई गई ईंटों की क्यारी को भी तोड़ा गया। निगम अमले ने अप्सरा टॉकीज क्षेत्र से दो गन्ने की चरखी, रायसेन रोड अप्सरा टॉकीज से चार तथा बाफना कॉलोनी से एक गन्ना चरखी हटवाई। इसके अलावा एमपी नगर जोन-02 से सर्विस रोड पर खड़े सात चारपहिया वाहनों को भी हटाया गया।कार्रवाई के दौरान फुटपाथों पर लगी चप्पल, सब्जी और बैग की दुकानें, दुकानों के बाहर रखा सामान, गन्ने की चरखी, ठेले, गुमठियां, काउंटर, पान पार्लर, बोर्ड, स्टूल और कुर्सियां भी हटाई गईं। साथ ही एक लोहे का जीना, आठ ठेले, दो पान पार्लर, एक काउंटर, सात टेबल, दो बेंच और स्टूल सहित अन्य सामान जब्त किया गया। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि शहर में अतिक्रमण के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

भोपाल में आवारा कुत्तों को लेकर फूटा रहवासियों का गुस्सा, करोंद की मैपल ट्री सोसायटी में देर रात प्रदर्शन

भोपाल(निप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में जेल रोड करोंद स्थित मैपल ट्री सोसायटी में गुरुवार देर रात आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर रहवासियों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में लोग सोसायटी गेट पर एकत्र हो गए और नगर निगम तथा डॉग लवर्स के खिलाफ प्रदर्शन किया। स्थिति को देखते हुए पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाइश देकर शांत कराया।

प्रदर्शन गुरुवार रात करीब 11 बजे के बाद शुरू हुआ और देर रात तक चलता रहा। रहवासियों का कहना है कि सोसायटी में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। आसपास के इलाकों से भी बड़ी संख्या में कुत्ते यहां आ गए हैं, जिससे काटने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। हाल ही में कुछ बुजुर्गों और बच्चों को भी कुत्तों ने काट लिया, जिससे कॉलोनी में डर का माहौल है।

रहवासियों के मुताबिक उन्होंने कई बार नगर निगम में शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि शिकायत करने पर कुछ डॉग लवर्स उनके खिलाफ थाने में झूठी शिकायतें दर्ज करा रहे हैं। गुस्साए लोगों ने सोसायटी के गेट पर बैठकर नारेबाजी की और प्रशासन के खिलाफ विरोध जताया। उनका कहना है कि कई महीनों से कॉलोनी के लोग इस समस्या से परेशान हैं। आवारा कुत्ते राह चलते लोगों पर हमला कर रहे हैं, जिससे सबसे ज्यादा बुजुर्ग और बच्चे भयभीत हैं। रहवासियों का यह भी आरोप है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद प्रशासन और नगर निगम डॉग लवर्स के दबाव के कारण कार्रवाई नहीं कर रहे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों से चर्चा की और समस्या के समाधान के लिए 5 दिन का समय मांगा है।

कट लगने को लेकर हुए विवाद में कार सवार युवको ने की थी युवक की हत्या

- पुलिस ने 24 घंटो में खुलासा कर आरोपियो को दबोचा

भोपाल(ए.)। राजधानी के निशातपुरा थाना इलाके में बुधवार रात युवक के सीने में चार बार बेरहमी से चाकू घोपंकर हत्या किये जाने के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए आरोपियो को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या का कारण वाहनो के मामूली रुप से टकराने को लेकर शुरु हुआ था। बाद में आरोपी युवक की लाश को बेस्ट प्राइस के पास 80 फीट रोड पर ऑटो से फेंककर फरार हो गए थे।

निशातपुरा थाना टीआई मनोज पटवा से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार 4 मार्च की शाम करीब 7:30 बजे बेस्ट प्राइज के पास, 80 फीट रोड पर अरविंद मीना उर्फ छोटू (21) निवासी प्रताप नगर 80 फीट रोड थाना निशातपुरा की सीने में चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई थी। मृतक के पिता हल्केराम मीणा का कहना है, कि बेस्ट प्राइस के पास भीड़ देखकर वे वहां रुके। पास जाकर देखने पर सड़क पर पड़ा शव उनके बेटे का नजर आया। अरविंद का शव अर्धनग्न हालत में पड़ा था,शव के ऊपरी हिस्से में कपड़े नहीं थे। बाद में सूचना मिलने पर पहुचीं पुलिस ने गुरुवार दोपहर पीएम के बाद शव परिजनों को सौंपते दिया। मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपियो की तलाश शुरु की।

- दोस्तो के साथ होली की रात घूमने निकला था अरविंद

जॉच के दौरान परिवार वालो ने पुलिस को बताया की मृतक अरविंद के परिजनो ने पुलिस को बताया की अरविंद एक कपड़े की दुकान पर सेल्समैन की नौकरी करता था। बुधवार शाम तक वह दोस्तों के साथ होली खेल रहा था। होली खेलने के बाद अरविंद अपने दोस्तो के साथ घूमने के लिए चला गया था।

- बाइक से जाते समय कार सवार युवको से हुआ था विवाद चाकू निकालकर लहराया, आरोपियो ने चाकू छीन कर दिये घातक वार

घटना के समय मृतक अरविंद अपने दोस्त गोलू जाटव उर्फ अजय के साथ बाइक से जा रहा था। तभी एक सफेद रंग की कार के चालक से कट लगने को लेकर उसका विवाद हो गया। बहसबाजी बड़ने पर कार सवार युवकों ने अरविंद पर हमला कर मारपीट करनी शुरु कर दी। इस बीच अरविंद अपने बचाव में अपने पास रखा चाकू निकाल कर लहराने लगा। आरोपियों ने अरविंद से चाकू छीनकर उसके सीने में घातक वार कर दिये जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्यवाही करते हुए तकनीकी साक्ष्यों की मदद से आरोपियो की पहचान जुटाई और मुखबिर से मिली सूचना पर 24 घंटे के भीतर ही चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

- यह है हत्या के आरोपी

हत्याकांड में पकड़े गये आरोपियो की पहचान विकास जोशी उर्फ विक्की पिता जयप्रकाश (24), नरेन्द्र सिंह उर्फ निक्की पिता प्रकाश सिंह (25), ऋषि दांगी पिता संजीव दांगी (20) तीनो निवासी विश्वकर्मा नगर थाना निशातपुरा और आशीष राजपूत पिता मेहताब सिंह राजपूत (26) निवासी मालीखेड़ी के रुप में हुई है। आरोपियो से पूछताछ के आधार पर पुलिस हत्याकांड से जुड़े साक्ष्य जुटा रही है।

अब 2625 रुपये प्रति क्विंटल पर होगी गेहूं उपार्जन पंजीयन तिथि 10 मार्च तक बढ़ी : खाद्य मंत्री श्री राजपूत

भोपाल(ए.)। प्रदेश के किसानों के हित में मध्यप्रदेश सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन व्यवस्था को और अधिक किसान हितैषी बनाया है। किसानों को पंजीयन के लिए पर्याप्त समय मिल सके, इसके लिए गेहूं उपार्जन के पंजीयन की अंतिम तिथि 7 मार्च से बढ़ाकर 10 मार्च कर दी गई है। साथ ही सरकार ने गेहूं खरीदी पर 40 रुपये अतिरिक्त बोनस देने का भी महत्वपूर्ण फैसला लिया है। इस प्रकार अब प्रदेश में गेहूं की खरीदी 2625 रुपए प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि किसानों की सुविधा और हित को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा यह निर्णय लिया गया है। इससे अधिक से अधिक किसान अपना पंजीयन कराकर समर्थन मूल्य का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह निर्णय प्रदेश के किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मंत्री श्री राजपूत ने इस किसान हितैषी निर्णय के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की समृद्धि और कृषि विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नागलवाड़ी में आयोजित कृषि कैबिनेट बैठक के पश्चात यह निर्णय लिया है।

अधिकार, न्याय और कार्यवाही से ही होगा वास्तविक महिला सशक्तिकरण : सुश्री भूरिया

महिला आयोग के कार्यक्रम में न्याय चौपाल, मेंटल हेल्थ और सायबर वेलबीइंग पर हुए महत्वपूर्ण सत्र

भोपाल (ए.)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के समन्वय से आयोजित कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा, न्याय की सुनिश्चितता और ठोस कार्यवाही ही महिला सशक्तिकरण की वास्तविक आधारशिला है। उन्होंने महिला दिवस, होली और रंगपंचमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि महिलाओं

और बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए सामूहिक संकल्प को मजबूत करने का अवसर है। कार्यक्रम में न्याय चौपाल, मानसिक स्वास्थ्य तथा साइबर वेलबीइंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सत्र आयोजित किए गए। सत्र में विशेषज्ञों और अधिकारियों ने महिलाओं की सुरक्षा, अधिकारों और जागरूकता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। मंत्री सुश्री भूरिया ने महिला आयोग और सहयोगी संस्थाओं द्वारा महिलाओं और बालिकाओं के लिए अधिकार, न्याय और कार्यवाही विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि समाज की अशासकीय संस्थाएं और जागरूक नागरिक छोटे-छोटे प्रयासों से महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को मजबूत बनाते हैं। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे अभियान ने बेटियों के प्रति समाज में सकारात्मक सोच को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की लाड़ली बहना योजना और लाड़ली लक्ष्मी योजना महिलाओं और बालिकाओं के सशक्तिकरण की मिसाल बन चुकी हैं।

छिंदवाड़ा: आस्था के नाम पर मेघनाथ मेले में लोग लगाते हैं जान की बाजी

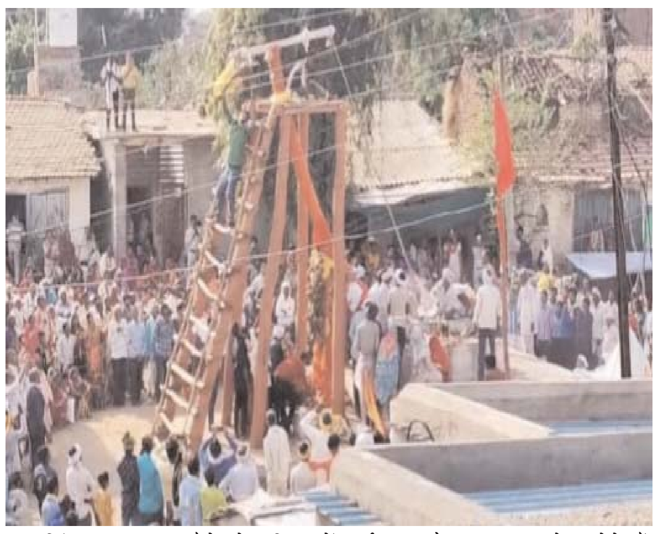

छिंदवाड़ा,(ए.)। वैसे तो दुनिया में कई तरह के खतरनाक खेल होते हैं, जिनमें लोग आस्था के नाम पर जान की बाजी लगाते हैं। ऐसा ही आस्था के नाम पर एक खेल मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के उमरेठ में लगने वाले मेघनाथ मेले में खेला जाता है। मेघनाथ मेला रंगों के त्यौहार होली से शुरू होता है और पंचमी तक चलता है। छिंदवाड़ा जिले के उमरेठ में आज भी एक ऐतिहासिक मेघनाथ मेला न केवल आस्था का केंद्र है बल्कि यहां आदिवासी संस्कृति और मेघनाथ के प्रति आदिवासियों की गहरी आस्था और श्रद्धा का एक अनूठा उदाहरण देखने को मिलता है। लगभग 30 फीट की ऊंचाई पर हवा में श्रद्धालु झूलते हैं। मान्यता पूरी होने पर श्रद्धालुओं को खूंटी पर बांधकर हवा में गोल-गोल घुमाया जाता है। जो मेले का सबसे खतरनाक और मुख्य हिस्सा है।

उमरेठ में चर्चित है ये किवदंती

मेघनाथ मेला(खंडेरा बाबा समिति) अध्यक्ष ओंकार मालवीय ने शुक्रवार को बताया कि जब उमरेठ में किसी प्रकार की सुख समृद्धि नहीं होती थी। जब भी यहां कोई बसना चाहता था तो यहां कोई ना कोई प्राकृतिक आपदा के कारण वह पूर्णत नष्ट हो जाता था। जब से यहां पर खंडेरा बाबा और मां निकुम्बला देवी की स्थापना हुई उसके बाद यहां पर किसी प्रकार की कोई प्राकृतिक आपदा के कारण गांव उजड़ा नहीं।इसके बाद से ही यहां लगातार हर साल होली से 5 दिनों तक मेघनाथ मेला लगता है।

आज के युग में भी आदिवासियों के लिए रावण उनके आराध्य हैं। उनके पुत्र मेघनाथ मां निकुम्बला देवी के भक्त थे। जिनकी आराधना आदिवासी समाज के लोग करते हैं।

खंडेरा बाबा के पास आकर लोग मन्नत मांगते हैं और जब उनकी मान्यताएं पूरी हो जाती हैं, तब यहां पर आकर लगभग 30 फीट की ऊंचाई पर एक मोटी लकड़ी से उन्हें कपड़ा या रस्सी के सहारे कमर पर बांध दिया जाता है और फिर उन्हें उनकी मान्यता के अनुसार एक से पांच चक्कर तक घुमाया जाता है। आदिवासी समाज के लोग आज भी परंपरा और मान्यताओं का निर्वहन करते चले आ रहे हैं।

परिवहन विभाग का वाहन चेकिंग अभियान शुरू

बिना दस्तावेज संचालित वाहनों पर कार्यवाही

मंदसौर,(ए.)। सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रभावी पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा जिले में वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिले के विभिन्न स्थानों पर सघन वाहन जांच की गई।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी पी.एस. भीलाला ने बताया कि वाहन चेकिंग अभियान के दौरान बिना आवश्यक दस्तावेजों के संचालित हो रहे वाहनों पर सख्त कार्रवाई की गई। जांच के दौरान 12 ऑटो रिक्शा, एक टाटा मैजिक, दो विक्रम टेम्पो तथा एक यात्री बस को आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने के कारण जब्त किया गया। उन्होंने बताया कि चेकिंग के दौरान कुछ वाहनों में दस्तावेजों की कमी पाए जाने पर तीन वाहनों से लगभग 10 हजार रुपये का शमन शुल्क वसूला गया। इसके अतिरिक्त जिन वाहनों पर कर बकाया था, उनसे करीब 60 हजार रुपये का बकाया कर भी जमा कराया गया। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए परिवहन विभाग द्वारा इस प्रकार की वाहन जांच की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

श्री खिड़की माता मेला समिति की बैठक में भजन संध्या के आयोजन को लेकर हुआ विचार विमर्श

मंदसौर,(ए.)। मध्य प्रदेश के मंदसौर नगरपालिका परिषद द्वारा दिनांक 10 मार्च को 17 वां श्री खिड़की माता मेला का आयोजन मंदसौर बायपास मार्ग स्थित श्री खिड़की माताजी मंदिर परिसर में किया जाता है। मेले की व्यवस्थाओं को लेकर शुक्रवार को श्री खिड़की माता मेला समिति की बैठक नपाध्यक्ष के कक्ष में रमादेवी बंशीलाल गुर्जर नपाध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित की गयी।बैठक में श्री खिड़की माता मेला समिति सभापति माया भावसार, मेला समिति सदस्यगण रेखा राजेश सोनी ऐरावाला, गोवर्धन कुमावत, जलकार्य सभापति निलेष जैन, लोकनिर्माण सभापति निर्मला नरेश चंदवानी, राजस्व समिति सभापति कौशल्या बंधवार, योजना यातायात समिति सभापति शांति दिनेश फरक्या भी उपस्थित थे।बैठक में तय किया गया कि दिनांक 10 मार्च को प्रात: 11.30 बजे भजन संध्या का कार्यक्रम होगा जो कि सायं 4 बजे तक होगा। बैठक में नपाध्यक्ष ने मेला में सफाई एवं पेयजल की व्यवस्थाओं को लेकर स्वास्थ्य एवं जलप्रदाय सभापति से आवश्यक चर्चा भी की। बैठक में मेला में भजन संध्या के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गयी और तय किया गया कि एक या दो दिवस में भजन संध्या में आने वाले कलाकार को फाइनल किया जाये। बैठक में मेला लिपिक राजेन्द्र नीमा ने मेला में होने वाली भजन संध्या के लिये बुलायी गयी निविदा की जानकारी नपाध्यक्ष एवं मेला सभापति एवं अन्य सदस्यों के सामने रखी।

मेला स्थल का निरीक्षण किया

नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर एवं मेला समिति सभापति श्रीमती माया भावसार ने मेला समिति सदस्यों के साथ मेला स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के पूर्व सभी जनप्रतिनिधियों ने माँ खिड़की माताजी की प्रतिमा के दर्शन किये और उनसे जिले की सुख समृद्धि हेतु प्रार्थना की। निरीक्षण के दौरान नपाध्यक्ष ने नपा के कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे मेला के लिये किये जा रहे आवश्यक कार्य एक या दो दिवस में ही पूर्ण कर लेवे। मेला स्थल पर बड़ा स्टेज (मंच) बनाया जावेगा, भीड़भाड़ को देखते हुये टेण्ट एवं कूलर की भी व्यवस्था की जावे। राजेन्द्र नीमा ने बताया कि नपा ने शिवना नदी के किनारे पानी से होने वाली दुर्घटना को रोकने के लिये बैरिकेट्स लगा दिये हैं।

प्रेम में धोखा और धमकियों से टूटी मुस्कान, मृत बेटी की तस्वीर के साथ न्याय की गुहार लेकर एसपी कार्यालय पहुंचे माता-पिता

गुना (ए.)। जिले में प्रेम प्रसंग से जुड़ा एक मार्मिक मामला सामने आया है, जहां कथित धोखे और लगातार धमकियों से परेशान होकर एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अब बेटी को न्याय दिलाने के लिए उसके माता-पिता उसकी तस्वीर लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और आरोपी युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की।

मृतका के पिता राजू शिवहरे ने बताया कि उनकी बेटी मुस्कान शिवहरे को म्याना निवासी अभिषेक शर्मा पिछले करीब चार वर्षों से शादी का झांसा देकर बहला रहा था। इसी भरोसे में उसने कई बार उससे शारीरिक संबंध बनाए। जब मुस्कान ने विवाह की बात कही तो युवक ने साफ इंकार कर दिया और बताया कि उसकी कहीं और सगाई हो चुकी है। पिता का आरोप है कि इसके बाद भी आरोपी युवती को लगातार धमकाता रहा और उसके निजी फोटो वायरल करने की बात कहकर दबाव बनाता था। परिजनों के अनुसार आरोपी की प्रताडऩा से मुस्कान मानसिक रूप से बेहद परेशान रहने लगी थी। उसने यह बातें अपनी बड़ी बहन को भी बताई थीं और परिवार ने युवक को समझाने की कोशिश भी की, लेकिन वह नहीं माना।

इंडस्ट्रीज एरिया में गाय के बछड़े का कटा सिर मिलने से हड़कंप, गौसेवकों में आक्रोश; कलेक्ट्रेट पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

गुना (ए.)। शहर के कैंट थाना क्षेत्र अंतर्गत इंडस्ट्रीज एरिया में गाय के बछड़े का कटा हुआ सिर मिलने से शुक्रवार सुबह हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही गौसेवक मौके पर पहुंच गए और मामले को गंभीर बताते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। इस घटना को लेकर शहर में आक्रोश का माहौल बन गया है।गौसेवक मोनू ओझा ने बताया कि सुबह उन्हें सूचना मिली थी कि इंडस्ट्रीज एरिया में गाय के बछड़े का सिर पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही वे अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचे। शुरुआत में उन्हें लगा कि संभवत: कुत्ते या अन्य जानवर किसी शव को घसीटकर यहां तक ले आए होंगे, लेकिन करीब दो घंटे तक आसपास क्षेत्र में तलाश करने के बावजूद बछड़े का धड़ नहीं मिला। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई और बछड़े के सिर को पशु चिकित्सालय ले जाया गया। गौसेवकों का कहना है कि पशु चिकित्सालय में पोस्टमार्टम और प्राथमिक जांच के दौरान यह संकेत मिला कि बछड़े का सिर बर्बरता से काटा गया है। उनका आरोप है कि जिस तरीके से सिर अलग किया गया है, उससे यह सामान्य घटना नहीं बल्कि सुनियोजित कृत्य प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि हाल के समय में जिले में गौ तस्करी और मवेशियों के साथ इस प्रकार की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे गौभक्तों में आक्रोश बढ़ रहा है। गौसेवकों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि इस मामले की गंभीरता से जांच कर दोषियों की पहचान कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदू त्योहारों के बीच इस तरह की घटना से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और ऐसे कृत्य को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।वहीं मामले में सीएसपी प्रियंका मिश्रा ने बताया कि कैंट थाना क्षेत्र के इंडस्ट्रीज एरिया में एक पशु का शव मिला है, जिसका पोस्टमार्टम कराया गया है।

कॉलेज में विकसित भारत युवा संसद कार्यक्रम का हुआ आयोजन

राजगढ़,(ए.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ स्थित प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शुक्रवार को विकसित भारत युवा संसद 2026 के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय आपातकाल के 50 वर्ष: भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक रखा गया। कार्यक्रम के लिए माय भारत पोर्टल पर 108 विद्यार्थियों ने अपना पंजीयन कराया, लेकिन कार्यक्रम में जिलेभर से 23 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता दो चरणों में संपन्न हुई, जिसमें प्रतिभागियों की वाक्कला, तर्कशक्ति एवं समसमायिक विषयों पर दृष्टिकोण का मूल्यांकन किया गया। प्रथम चरण में निर्णायक मंडल में सेवानिवृत प्रशासनिक अधिकारी जयसिंह राठौड़, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक प्रवीणसिंह पंवार शामिल रहे वहीं द्वितीय चरण में नरसिंहगढ़ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.चेतन त्रिपाठी और ब्यावरा महाविद्यालय के प्रोफेसर घनश्याम नागर ने निर्णायक भूमिका निभाई।

व्यापार समाचार

ईरान युद्ध के बीच क्या भारत में बढ़ेगी पेट्रोल-डीजल की कीमतें?, सरकार ने बताई अंदर की बात

नई दिल्ली(ए.)। ईरान युद्ध के चलते वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंकाओं के बीच भारत के पास फिलहाल कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त भंडार मौजूद है। साथ ही, तेल कंपनियां खाड़ी क्षेत्र के बाहर के देशों से भी आयात बढ़ाकर आपूर्ति में आई कमी को पूरा कर रही हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि फिलहाल भारत ऊर्जा आपूर्ति के मामले में आरामदायक स्थिति में है। उन्होंने बताया कि हमारे पास होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) में फंसे भंडार से कहीं अधिक ऊर्जा स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि देश के पास कच्चे तेल, तेल उत्पादों और एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक है और जरूरत पड़ने पर दूसरे देशों से आयात बढ़ाकर आपूर्ति की कमी पूरी की जाएगी। अधिकारी ने बताया कि भारत 2022 से रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है। उस समय भारत के कुल आयात में रूस की हिस्सेदारी केवल 0.2 प्रतिशत थी। लेकिन अब इसमें तेजी से बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि फरवरी में भारत ने अपने कुल कच्चे तेल आयात का लगभग 20 प्रतिशत रूस से खरीदा। फरवरी में रूस से भारत ने करीब 10.4 लाख बैरल प्रतिदिन (1.04 मिलियन बैरल प्रति दिन) कच्चा तेल आयात किया। सरकारी अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि एमआरपीएल रिफाइनरी बंद होने की खबरें गलत हैं। उन्होंने कहा कि रिफाइनरी में पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और एलपीजी बनाने वाली सभी रिफाइनरियों को उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।उन्होंने कहा कि फिलहाल देश में एलपीजी का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है, इसलिए उपभोक्ताओं को किसी तरह की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा। अधिकारी ने बताया कि सरकार जरूरत पड़ने पर पेट्रोकेमिकल उत्पादों का इस्तेमाल भी घरेलू मांग को पूरा करने के लिए करेगी, ताकि किसी भी तरह की कमी न हो। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव को देखते हुए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) ने तेल रिफाइनरियों को निर्देश दिया है कि वे द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) का उत्पादन अधिकतम करें और घरेलू आपूर्ति को प्राथमिकता दें।इसके तहत रिफाइनरियों से कहा गया है कि प्रोपेन और ब्यूटेन जैसी महत्वपूर्ण गैसों का इस्तेमाल प्राथमिकता से एलपीजी उत्पादन में किया जाए, ताकि घरों में इस्तेमाल होने वाली रसोई गैस की कमी न हो। मध्य पूर्व में युद्ध के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और शिपिंग मार्गों पर असर पड़ा है। खासतौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य (तेल और गैस के वैश्विक व्यापार का अहम मार्ग) से टैंकरों की आवाजाही प्रभावित हुई है। इस युद्ध के चलते दुनिया के दूसरे सबसे बड़े एलएनजी निर्यातक कतर से भी गैस आपूर्ति प्रभावित हुई है। हालांकि भारत सरकार का कहना है कि मौजूदा स्थिति में देश के पास पर्याप्त ऊर्जा भंडार है और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है।

सोना 1.61 लाख के पार और चांदी 2.67 लाख के करीब

- सोना 1,360 रुपए तेज, चांदी में 4,982 रुपए की बढ़ोतरी

नई दिल्ली (ए.)। घरेलू वायदा बाजार में शुक्रवार को सोना और चांदी की कीमतों में मजबूती देखने को मिली। दोनों की कीमतें तेजी के साथ खुलीं और कारोबार के दौरान भी बढ़त के साथ ट्रेड करती रहीं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 1,367 रुपये की तेजी के साथ 1,61,040 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। इससे पहले पिछले कारोबारी सत्र में यह 1,59,673 रुपये पर बंद हुआ था। इस समय सोना लगभग 1,360 रुपये की तेजी के साथ 1,61,033 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान इसने 1,61,250 रुपये का दिन का उच्च स्तर और 1,60,893 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल अब तक सोने के वायदा भाव 1,80,779 रुपये के उच्चतम स्तर तक पहुंच चुके हैं। वहीं चांदी के वायदा भाव में भी मजबूत तेजी दर्ज की गई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रैक्ट 5,759 रुपये की तेजी के साथ 2,67,950 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला। पिछले सत्र में इसका बंद भाव 2,62,191 रुपये था। इस समय यह करीब 4,982 रुपये की तेजी के साथ 2,67,173 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान चांदी ने 2,68,991 रुपये का दिन का उच्च स्तर छुआ, जबकि निचला स्तर 2,67,173 रुपये रहा। इस साल चांदी के वायदा भाव 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना और चांदी मजबूती के साथ कारोबार कर रहे हैं। कॉमेक्स पर सोना 5,099.70 डॉलर प्रति औंस पर खुला और खबर लिखे जाने के समय 62.70 डॉलर की तेजी के साथ 5,141.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी 82.55 डॉलर प्रति औंस पर खुली और बाद में 84.61 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गई। व्यापार

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई (ए.) । भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट खाड़ी में जारी संघर्ष को देखते हुए दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,097 अंक टूटकर 78,918.90 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 315.45 अंक नीचे आकर 24,450.45 पर बंद हुआ। आज बैंकिंग शेयरों में भी गिरावट रही। निफ्टी बैंक 2.15 फीसदी नीचे आकर 57,783.25 पर बंद हुआ। इसके अलावा, निफ्टी रियल्टी 2.09 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 2.01 फीसदी, निफ्टी सर्विसेज 1.81 फीसदी, निफ्टी ऑटो 1.06 फीसदीगिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर दूसरी तरफ निफ्टी इंडिया डिफेंस 2.77 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.13 फीसदी, निफ्टी पीएसई 0.12 फीसदी बढ़त के साथ बंद हुआ।

आज लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप में कम बिकवाली रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.69 प्रतिशत या 399.20 अंक की कमजोरी के साथ 57,393.35 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 39.90 अंक की गिरावट के साथ 16,498.90 पर था। वहीं सेंसेक्स पैक में बीईएल, सनफार्मा, एनटीपीसी, इन्फोसिस और एचसीएल टेक लाभ में रही जबकि आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट,एचडीएफसी बैंक, एसबीआई, बजाज फिनसर्व, एलएंडटी, इंडिगो, मारुति सुजुकी, भारती एयरटेल, ट्रेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस और एचयूएल के शेयर गिरे। जानकारों के अनुसार बाजार में आई गिरावट का कारण मध्यपूर्व में जारी संघर्ष है। इससे निवेशकों पर विपरीत प्रभाव पड़ा है।

मारुति और हुंडई का बजा बैंड! इस देसी SUV ने बिक्री में तोड़े सारे रिकॉर्ड; धड़ाधड़ खरीद रहे लोग

नई दिल्ली (ए.) । भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में फरवरी 2026 के महीने में कारों की बिक्री के चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। इन आंकड़ों ने मारुति सुजुकी और हुंडई जैसी दिग्गज कंपनियों की नींद उड़ा दी है। ग्राहकों ने देसी कंपनी टाटा मोटर्स की कारों पर जमकर प्यार लुटाया है, जिसके चलते टाटा नेक्सन (Tata Ne&on) ने ओवरऑल बिक्री के मामले में नंबर वन का ताज अपने नाम कर लिया है। बीते महीने टाटा नेक्सन को इतनी तेज रफ्तार से खरीदा गया कि इसने बिक्री के सारे पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं।

फरवरी 2026 में टाटा नेक्सन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 19,430 यूनिट्स की बंपर बिक्री की है। अगर इसकी तुलना ठीक एक साल पहले यानी फरवरी 2025 (15,349 यूनिट) से करें, तो इसकी बिक्री में सीधे 27 प्रतिशत का भारी उछाल दर्ज किया गया है। वहीं, इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर मारुति सुजुकी डिजायर ने अपनी जगह बनाई है। डिजायर की 19,326 यूनिट्स बिकी हैं, जो पिछले साल के मुकाबले 32 प्रतिशत ज्यादा है। तीसरे पायदान पर टाटा की ही एक और धाकड़ माइक्रो-एसयूवी टाटा पंच (Tata Punch) रही है, जिसने 29 प्रतिशत की जबरदस्त ग्रोथ के साथ 18,748 ग्राहकों के घरों में एंट्री ली है। हुंडई की सबसे चहेती एसयूवी क्रेटा 10 प्रतिशत की बढ़त के साथ चौथे नंबर पर रही। एक तरफ जहां टाटा और महिंद्रा की एसयूवी का क्रेज सिर चढ़कर बोल रहा है, वहीं मारुति की कुछ एवरग्रीन कारों की चमक फीकी पड़ती दिख रही है। भारत की सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों में शुमार मारुति सुजुकी वैगनआर की बिक्री में इस बार 25 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है और यह खिसककर सातवें नंबर पर आ गई है। इसी तरह मारुति स्विफ्ट और बलेनो की बिक्री का ग्राफ भी नीचे गिरा है।

FASTAG रिचार्ज करते ही पलक झपकते ही उड़ रहे सारे पैसे, फंसने से पहले तुरंत जान लें सरकार की ये चेतावनी

नई दिल्ली (ए.) । अगर आप भी अपनी कार या गाड़ी का फास्टैग (FASTag) अपने मोबाइल से ऑनलाइन रिचार्ज करते हैं, तो यह खबर आपके लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है। टोल प्लाजा पर लंबी लाइनों से बचने और सफर को आसान बनाने वाला फास्टैग अब साइबर ठगों का सबसे नया और खतरनाक हथियार बन चुका है। एक छोटी सी लापरवाही से आपका मेहनत का पैसा फास्टैग वॉलेट की जगह सीधे जालसाजों के बैंक खाते में जा रहा है और आप बिना बैलेंस के बीच हाइवे पर बुरी तरह फंस सकते हैं। इस बड़े और खतरनाक स्कैम को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाली साइबर सुरक्षा एजेंसी 'साइबर दोस्त' (CyberDost IyC) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बेहद जरूरी अलर्ट जारी किया है। एजेंसी ने एक वीडियो शेयर करके देश भर के वाहन चालकों को आगाह किया है कि इंटरनेट पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) के नाम से मिलती-जुलती दर्जनों फर्जी वेबसाइट्स धड़ल्ले से चल रही हैं। जब कोई अनजान यूजर अपना फास्टैग रिचार्ज कराने या एनुअल पास बनवाने के लिए इंटरनेट पर सर्च करता है, तो ये फेक वेबसाइट्स उसे अपने जाल में फंसा लेती हैं।इन फर्जी पोर्टल्स को बिल्कुल असली वेबसाइट की तरह चालाकी से डिजाइन किया गया है ताकि किसी को जरा भी शक न हो। जैसे ही आप इन वेबसाइट्स पर जाकर अपने फास्टैग या एनुअल पास के लिए कोई भी ऑनलाइन पेमेंट करते हैं, तो वो पैसा आपके फास्टैग अकाउंट में जाने के बजाय सीधे इन साइबर लुटेरों के बैंक खाते में ट्रांसफर हो जाता है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

भारत तक पहुंची आंच

भारत के अतिथि जहाज को भारतीय जल क्षेत्र के करीब डुबो देना भारत की प्रतिष्ठा के प्रति अमेरिका की बेपरवाही की मिसाल है। इसलिए इस घटना पर भारत को औपचारिक विरोध एवं आपत्ति अवश्य दर्ज करानी चाहिए।ईरान पर अमेरिका- इजराइल के हमले से पश्चिम एशिया में शुरू हुए युद्ध की आंच बुधवार को भारत तक पहुंच गई, जब भारतीय जलसीमा के करीब ईरान के जहाज इरिस देना को अमेरिका ने डुबो दिया। अमेरिका के युद्ध मंत्री पीटर हेगसेट ने इसे अपने देश की एक बड़ी सैन्य सफलता के रूप में पेश कर इस बारे में कोई भ्रम नहीं रहने दिया कि ये कार्रवाई योजनाबद्ध ढंग से की गई। अमेरिका ने ऐसा करने को सोचा, यह भारत के प्रति उसके तौहीनी नजरिए का परिचायक है। आखिर वो जहाज भारतीय नौसेना के अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा कार्यक्रम- मिलन- में भाग लेने भारत के आमंत्रण पर आया था। विशाखपत्तमन में इस कार्यक्रम में भाग लेकर वह लौट रहा था।ईरान ने कहा है कि चूंकि जहाज युद्ध से बाहर के क्षेत्र से गुजर रहा था, अत: उसकी हथियार प्रणालियों को 卐सुरक्षित एवं निष्क्रिय卐 मोड में रखा गया था। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है- 'हम मान कर चल रहे थे कि हम दोस्ताना जल क्षेत्र में हैं, अत: जहाज पर सवार अधिकांश लोग समारोहों में भाग लेने वाले गैर लड़ाकू कर्मचारी थे।' डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने ऐसे जहाज पर हमला करने को सोचा, यह तमाम अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मर्यादाओं को ठेंका दिखाने के उसके नजरिए मेल खाता है। मगर ऐसा भारत के अतिथि जहाज के साथ भारतीय जल क्षेत्र के करीब करना भारत की चिंताओं के प्रति उसकी असंवेदनशीलता की भी मिसाल है।इसलिए इस घटना पर भारत को औपचारिक विरोध एवं आपत्ति दर्ज करानी चाहिए। दुनिया में प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त करने की सबसे पहली शर्त खुद अपनी प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहना होता है। वेनेजुएला और ईरान के मामलों में अंतरराष्ट्रीय नियमों के पक्ष में आवाज ना उठा कर भारत ने पहले ही अपनी अंतरराष्ट्रीय हैसियत की अनदेखी की है। मगर अब बात सैद्धांतिक रुख तय करने की नहीं, बल्कि अपने मामले में बोलने की है। कम-से-कम यह अवश्य कहा जाना चाहिए कि अमेरिका अपने युद्ध की आंच हम तक पहुंचाए। भारत के क्षितिज पर वैसे ही अमेरिकी युद्ध के आर्थिक दुष्परिणामों का अंदेशा सघन होता जा रहा है।

बिहार की राजनीति में सत्ता परिवर्तन से जुड़े सवाल

ललित गर्ग

बिहार की राजनीति में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक मोड़ उस समय सामने आया जब राज्य के लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतिश कुमार ने मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा जाने का निर्णय स्वीकार किया और इसके लिए नामांकन भी दाखिल कर दिया। उनके नामांकन के अवसर पर देश के गृह मंत्री अमित शाह का पटना पहुँचना भी इस राजनीतिक घटनाक्रम को और अधिक महत्वपूर्ण बना देता है। लगभग दो दशकों तक बिहार की राजनीति के केंद्र में रहे नीतीश कुमार का यह निर्णय केवल एक व्यक्तिगत राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि बिहार की सत्ता और राजनीति के स्वरूप में आने वाले बड़े परिवर्तन का संकेत भी है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब बिहार की राजनीति पहले से ही गठबंधनों, समीकरणों और सत्ता-संतुलन के दौर से गुजर रही है। इस निर्णय के साथ यह स्पष्ट हो गया कि बिहार की राजनीति एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है। यह परिवर्तन जहां एक ओर नई संभावनाओं का संकेत देता है, वहीं दूसरी ओर कई सवाल भी खड़े करता है, क्या यह जनादेश का सम्मान है या उससे विचलन? क्या यह बिहार के लिए नई दिशा का मार्ग है या राजनीतिक रणनीति का एक नया अध्याय?

नीतिश कुमार को लंबे समय से "सुशासन पुरुष" के रूप में जाना जाता रहा है। उन्होंने बिहार को लंबे समय तक स्थिर राजनीतिक नेतृत्व दिया और शासन व्यवस्था को कई स्तरों पर व्यवस्थित करने का प्रयास किया। सड़कों, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पंचायत सशक्तिकरण और प्रशासनिक सुधार जैसे अनेक क्षेत्रों में उनके कार्यों की चर्चा होती रही है। उनके शासनकाल में बिहार ने अराजकता और अपराध की छवि से बाहर निकलकर विकास और स्थिरता की ओर कदम बढ़ाने का प्रयास किया, इसलिए उनका मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा की ओर जाना केवल एक पद परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक भूमिका के पुनर्निर्धारण के रूप में भी देखा जा रहा है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका को अधिक व्यापक बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है, जबकि कुछ इसे बिहार की सत्ता में नई पीढ़ी और नए नेतृत्व को अवसर देने की रणनीति के रूप में भी देखते हैं। बिहार में अपेक्षित संभावनाएं पूरी तरह आकार नहीं ले पायी, इसलिये भी भाजपा खुद का मुख्यमंत्री लाकर बिहार को विकास से जोड़ना चाहती है।

नीतिश कुमार के इस निर्णय के बाद विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। विपक्ष का आरोप है कि विधानसभा चुनाव में जनता ने नीतिश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए वोट दिया था और पाँच वर्षों के जनादेश के बीच में मुख्यमंत्री पद छोड़ना जनता के विश्वास के साथ न्याय नहीं है। विपक्षी दलों का यह भी कहना है कि यह निर्णय राजनीतिक समीकरणों का परिणाम है और इसमें जनता की भावना को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया। कुछ विपक्षी नेताओं ने इसे "जनादेश के साथ खिलवाड़"और "राजनीतिक समझौते की राजनीति" करार दिया है। उनका

तर्क है कि यदि मुख्यमंत्री बदलना ही था तो जनता के पास फिर से जाने का रास्ता अपनाया जाना चाहिए था। इस प्रकार यह बहस केवल सत्ता परिवर्तन की नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता की भी बन गई है।

दूसरी ओर, इस पूरे घटनाक्रम को भाजपा की दीर्घकालिक रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा बिहार में अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान को और अधिक मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। यदि राज्य में भाजपा का मुख्यमंत्री आता है, तो यह बिहार की राजनीति के लिए एक नया अध्याय हो सकता है। भाजपा लंबे समय से यह दावा करती रही है कि वह राज्य में विकास, सुशासन और अपराध-मुक्त प्रशासन को और अधिक प्रभावी रूप में लागू करना चाहती है। पार्टी के नेताओं का कहना है कि बिहार में विकास की गति को और तेज करने, निवेश को बढ़ाने, रोजगार के अवसर पैदा करने और प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए नई नेतृत्व संरचना की आवश्यकता है।किसी भी लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन एक सामान्य और आवश्यक प्रक्रिया होती है। यह परिवर्तन यदि लोकतांत्रिक ढंग से और राजनीतिक सहमति के साथ होता है, तो यह व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाता है। बिहार में पिछले दो दशकों में राजनीतिक स्थिरता अपेक्षाकृत बनी रही है और इसका एक बड़ा श्रेय नीतिश कुमार के नेतृत्व को दिया जाता है। अब जब वह सक्रिय प्रशासनिक भूमिका से हटकर संसदीय राजनीति की ओर जा रहे हैं, तो यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि नया नेतृत्व उस स्थिरता को किस प्रकार बनाए रखता है। सत्ता परिवर्तन का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि इससे शासन व्यवस्था में नए विचार, नई ऊर्जा और नई प्राथमिकताएँ सामने आती हैं। इस घटनाक्रम के साथ बिहार की राजनीति में नई पीढ़ी के प्रवेश और नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा भी तेज हो गई है। कई राजनीतिक पर्यवेक्षक यह मानते हैं कि यह परिवर्तन केवल एक व्यक्ति या दल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आने वाले समय में राज्य की राजनीति के पूरे स्वरूप को प्रभावित करेगा। यदि नई नेतृत्व संरचना बिहार के विकास, रोजगार, शिक्षा और सामाजिक समरसता के मुद्दों पर प्रभावी ढंग से काम करती है, तो यह परिवर्तन राज्य के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है। यदि सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार इन अपेक्षाओं पर खरी उतरती है, तो यह निर्णय बिहार के लिए सकारात्मक परिणाम ला सकता है।

बिहार में प्रस्तावित सत्ता परिवर्तन को भाजपा एक व्यापक राजनीतिक और प्रशासनिक अवसर के रूप में देख रही है। पार्टी का मानना है कि लंबे समय से विकास, सुशासन, भ्रष्टावार-मुक्ति और सुरक्षा के जिन मुद्दों पर बिहार पिछड़ता रहा है, उन्हें एक निर्णायक नेतृत्व और कठोर प्रशासनिक इच्छाशक्ति के माध्यम से बदला जा सकता है। इस संदर्भ में कई लोग उत्तर प्रदेश का उदाहरण भी देते हैं, जहाँ योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद अपराध और माफिया पर कठोर कार्रवाई, प्रशासनिक अनुशासन और विकास योजनाओं के विस्तार ने राज्य की छवि और जनजीवन में उल्लेखनीय परिवर्तन लाने का प्रयास किया। इसी दृष्टि से बिहार में भी यह उम्मीद व्यक्त की जा रही है कि यदि भाजपा को स्पष्ट नेतृत्व का अवसर मिलता है, तो वह अपराध नियंत्रण, भ्रष्टाचार-मुक्ति, प्रशासनिक पारदर्शिता और विकास के नए मानक स्थापित करने की दिशा में काम कर सकती है।

आज भी यह व्यापक धारणा व्यक्त की जाती है कि बिहार में शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अपेक्षित गति से विकास नहीं हो पाया है और कई क्षेत्रों में अपराध तथा असुरक्षा की भावना जनजीवन को प्रभावित करती रही है। ऐसे में यदि नई सरकार दृढ़ नीतियों के साथ विकास, कानून-व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता देती है, तो यह सत्ता परिवर्तन राज्य के लिए नई दिशा और नई दशा का वाहक बन सकता है। यही कारण है कि कुछ राजनीतिक विश्लेषक इसे बिहार के लिए संभावित अवसर के रूप में देखते हैं-एक ऐसा अवसर, जिसमें सुशासन, विकास और सुरक्षित जनजीवन की नई धारा प्रवाहित हो सकती है और राज्य प्रगति के एक नए अध्याय की ओर अग्रसर हो सकता है।बिहार की राजनीति में नीतिश कुमार का राज्यसभा की ओर जाना केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि एक बड़े परिवर्तन की शुरुआत है। इसमें जहाँ विपक्ष जनादेश के सवाल को उठा रहा है, वहीं सत्ता पक्ष इसे नए नेतृत्व और नई दिशा के अवसर के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इतिहास गवाह है कि कई बार राजनीतिक परिवर्तन ही विकास की नई संभावनाओं का मार्ग खोलते हैं। यदि यह सत्ता परिवर्तन बिहार में बेहतर प्रशासन, अपराध नियंत्रण, भ्रष्टाचार-मुक्तिए आर्थिक प्रगति और सामाजिक समरसता को मजबूत करता है, तो यह राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। आने वाला समय ही तय करेगा कि यह निर्णय बिहार की राजनीति में किस प्रकार का अध्याय लिखता है लेकिन इतना निश्चित है कि यह बदलाव राज्य की राजनीति को नई बहसों, नई चुनौतियों और नई संभावनाओं की ओर अवश्य ले जाएगा।

कैसा भूमंडलीकरण, कैसी विश्व व्यवस्था ?

श्रुति व्यास

साफ दिखलाई दे रहा है कि भूमंडलीकरण इतिहास की अनिवार्य धारा नहीं है, बल्कि मानों एक ऐसी व्यवस्था जैसी है जो परिस्थितियों पर निर्भर है। और वह लगातार खतरे के नीचे खड़ी है। कोई भी समय कभी भी इस पूरी व्यवस्था को पटरी से नीचे उतार सकता है, जैसे इस समय भूमंडलाकरण के साथ वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था में भी नजर आ रहा है।इजराइल-अमेरिका बनाम ईरान की लड़ाई ने फिर दुनिया को ठिठका दिया है। वजह वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कनों में एक होर्मुज़ जलडमरूमध्य है। ईरान और खाड़ी देशों के बीच स्थित यह मार्ग दुनिया के लगभग पाँचवें हिस्से के तेल का रास्ता है। इसलिए जब यहाँ युद्ध या तनाव की आशंका पैदा होती है, तो असर केवल मध्य-पूर्व में ही सिमटा नहीं रहता। तेल बाज़ार से लेकर करेंसी बाज़ार, जहाज़रानी से लेकर बीमा उद्योग और पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था हिलने लगती है। और ताजा लड़ाई ने विश्व राजधानियों में फिर यह सवाल पैदा किया है कि दुनिया को गाँव में बदलने वाले वैश्वीकरण की बुनियाद कितनी पुख्ता है ?तीन दशकों से यह विश्वास गहरा है कि वैश्वीकरण की प्रक्रिया का पलटना या थमना संभव नहीं है। उत्पादन और व्यापार की शृंखलाएँ महासागरों के पार फैल चुकी थीं। पूँजी की लगभग बिना रुकावट एक देश से दूसरे देश में आवाजाही है। एक महाद्वीप में बना सामान कुछ ही हफ्तों में दूसरे महाद्वीप की दुकानों तक पहुँच जाता है। दुनिया की अर्थव्यवस्था अब इतनी परस्पर जुड़ चुकी है कि उसका ढहना लगभग असंभव है।इस विश्वास को समय-समय पर झटके लगे हैं। युद्धों ने विश्व व्यापार को बाधित किया और महामारी ने वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था को अचानक रोक दिया। कोविड-19 के दौरान बंदरगाहों पर कंटेनर अटक गए, कारखाने बंद हुए और अंतरराष्ट्रीय व्यापार धीमा हुआ। लेकिन इसके बावजूद वैश्वीकरण रुका नहीं। वह कुछ समय के लिए ठहरा, फिर अपने को नए हालात के अनुरूप ढालकर आगे बढ़ गया। जैसे ही अर्थव्यवस्थाएँ खुलीं, व्यापार फिर तेज़ी से लौट आया। कंटेनर जहाज़ों ने फिर समुद्र पार करना शुरू किया, डिजिटल व्यापार और तेज़ हुआ। वैश्विक पूँजीवाद की व्यवस्था ने फिर अपना लचीलापन दिखाया।लेकिन आज का संकट अलग प्रकृति का है। महामारी उत्पादन और आपूर्ति को बाधित करती है, जबकि युद्ध उन रास्तों को ही खतरे में डाल देता है जिनसे पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था चलती है। ईरान से जुड़ा संकट इसी कारण दुनिया की चिंता है, क्योंकि यह वैश्विक व्यापार की उन धमनियों को छूता है जिन पर पूरी व्यवस्था टिकी है।

होर्मुज़ जलडमरूमध्य सबसे संवेदनशील बिंदु है। दुनिया के लगभग पाँचवें हिस्से का तेल इसी मार्ग से गुजरता है। यदि यह मार्ग अस्थिर होता है, तो उसके असर बहुत दूर तक होंगे। तेल की कीमतें तुरंत उछलने लगती हैं। इसके बाद माल ढुलाई का खर्च बढ़ता है, बीमा प्रीमियम ऊपर जाते हैं। मुद्रा बाज़ारों में अस्थिरता छा जाती है। कुछ ही दिनों में यह कंपन वैश्विक अर्थव्यवस्था के कई हिस्सों में महसूस होने लगता है।यहीं वैश्वीकरण की असली भौगोलिक सच्चाई है। दुनिया भले ही सीमा-रहित दिखाई देती हो, लेकिन वैश्विक व्यापार वास्तव में कुछ ही संकरे रास्तों पर निर्भर है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य, स्वेज नहर और मलक्का जलडमरूमध्य ऐसे ही मार्ग हैं। जब इन रास्तों पर संकट आता है, तब वैश्वीकरण किसी अटूट व्यवस्था की तरह नहीं बल्कि भू-राजनीतिक स्थिरता पर निर्भर एक नाजुक ढाँचे की तरह खड़ा दिखता है।ईरान संकट एक और गहरे बदलाव की ओर भी संकेत है। शीत युद्ध के बाद यह मान लिया गया था कि आर्थिक परस्पर निर्भरता भू-राजनीतिक संघर्षों को सीमित कर देगी। जो देश वैश्विक अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़े होंगे, वे ऐसे कदम नहीं उठाएँगे जो उनकी अपनी समृद्धि को नुकसान पहुँचाएँ।लेकिन पिछले कुछ वर्षों की घटनाएँ इस विश्वास को कमजोर कर रही हैं। यूक्रेन युद्ध ने यूरोप की ऊर्जा व्यवस्था को हिला दिया है। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ता तनाव तकनीकी आपूर्ति शृंखलाओं को विभाजित कर रहा है। मतलब अब ईरान से जुड़ा संकट एशिया की आर्थिक वृद्धि को ऊर्जा देने वाले तेल मार्गों को ही खतरे में डाल दे रहा है।

इसका मतलब यह नहीं कि वैश्वीकरण समाप्त हो रहा है। लेकिन उसका स्वरूप बदल रहा है। अब वह पहले की तुलना में अधिक रणनीतिक, अधिक सतर्क और शक्ति-राजनीति के दबावों के प्रति अधिक संवेदनशील हो गया है। भारत के लिए इसके निहितार्थ तत्काल असर दिखा रहे हैं। भारत अपनी कच्चे तेल की लगभग 85 प्रतिशत आवश्यकता आयात से पूरी करता है। इसलिए ऊर्जा सुरक्षा उसकी स्थायी रणनीतिक चिंताओं में से एक है। भारत के तेल आयात का लगभग 40 प्रतिशत होर्मुज़ जलडमरूमध्य से होकर आता है। इसलिए जब खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ता है, तो उसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर बहुत जल्दी दिखाई देता है। तेल महँगा होता है, आयात बिल बढ़ता है, महँगाई का दबाव बनता है और रुपये पर असर पड़ता है।

मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन काफी अनुकूल रह सकता है। व्यापार या कामकाज से जुड़े मामलों में आगे बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं, जिससे आय में वृद्धि के संकेत दिखाई दे रहे हैं। आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में बेहतर हो सकती है। किसी भी काम में जल्दबाजी करने के बजाय धैर्य के साथ आगे बढ़ना अधिक लाभदायक रहेगा।

वृष राशि के लोगों के लिए शुक्रवार का दिन संतुलित और सहयोग देने वाला रह सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का अवसर मिल सकता है, जिसे आप अपनी मेहनत और क्षमता से पूरा करने में सफल रहेंगे। चुनौतियों का सामना आत्मविश्वास के साथ करने पर परिणाम आपके पक्ष में आ सकते हैं। पारिवारिक जीवन में शांति और आपसी समझ बढ़ेगी। जीवनसाथी के साथ समय बिताने का मौका मिल सकता है। छात्रों के लिए भी दिन अच्छा रहेगा और शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने के अवसर मिल सकते हैं।

मिथुन राशि के जातकों के लिए आज भाग्य का साथ मिलने के संकेत हैं। लंबे समय से रुके हुए या अधूरे कार्य किसी की मदद से पूरे हो सकते हैं। बातचीत करते समय शब्दों का चयन सोच-समझकर करना लाभदायक रहेगा। संपत्ति से जुड़े मामलों में भी सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है, खासकर यदि आप जमीन या प्रॉपर्टी से जुड़े निर्णय लेने की सोच रहे हैं।

कर्क राशि वालों के लिए शुक्रवार का दिन सुखद अनुभव लेकर आ सकता है। जिन कार्यों को आप पूरा करना चाहते हैं, उनमें अपेक्षाकृत आसानी से सफलता मिल सकती है। व्यापार से जुड़े लोगों को किसी महत्वपूर्ण बैठक या चर्चा से लाभ मिलने की संभावना है।

सिंह राशि के लोगों के लिए आज का दिन व्यस्त लेकिन परिणाम देने वाला रह सकता है। कार्यक्षेत्र में बड़ी जिम्मेदारी मिलने की संभावना है और आने वाले समय की योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। च्चों की उपलब्धियों से गर्व महसूस हो सकता है। छात्र अपने किसी नए प्रोजेक्ट या पढ़ाई से जुड़े काम में पूरा ध्यान लगा सकते हैं।

कन्या राशि के जातकों के लिए आज का दिन व्यापार और कामकाज के लिहाज से लाभकारी साबित हो सकता है। परिवार या बड़े भाई की सलाह से व्यवसाय में नए अवसर मिल सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को आगे बढ़ने का मौका मिल सकता है और उनकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम सामने आ सकता है।

तुला राशि के लोगों के लिए आज का दिन सामान्य लेकिन अवसरों से भरा रह सकता है। प्रॉपर्टी या निवेश से जुड़े मामलों में सोच-समझकर कदम उठाने का समय है। आय के नए स्रोत मिलने की संभावना भी बन सकती है, जिससे आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है। छात्रों को पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं में सकारात्मक परिणाम मिलने के संकेत हैं।

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए शुक्रवार का दिन सकारात्मक परिणाम देने वाला हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यक्षमता और मेहनत आपको आगे बढ़ने में मदद कर सकती है। हालांकि कुछ लोगों से सतर्क रहने की आवश्यकता हो सकती है, इसलिए निर्णय लेते समय सावधानी रखें। आत्मविश्वास के साथ किए गए कार्य कम समय में पूरे हो सकते हैं।

धनु राशि के लोगों के लिए आज का दिन उत्साह और आत्मविश्वास से भरा रह सकता है। कार्यक्षेत्र में आपके काम और व्यवहार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप किसी नए काम की शुरुआत करने की सोच रहे हैं तो भविष्य में इससे अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। परिवार के सदस्यों से सलाह लेकर लिए गए निर्णय लाभकारी साबित हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में मजबूत होने के संकेत मिल रहे हैं।

मकर राशि के जातकों के लिए शुक्रवार का दिन संतुलित रहने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में किसी भी काम को खुद की निगरानी में करना बेहतर रहेगा। व्यापार में साझेदारी या नई योजनाओं को लागू करते समय सोच-समझकर निर्णय लेना आवश्यक होगा। परिवार में पहले से चल रही किसी गलतफहमी का समाधान निकल सकता है, जिससे माहौल बेहतर होगा।

कुंभ राशि वालों के लिए आज का दिन प्रगति और अवसर लेकर आ सकता है। प्रॉपर्टी या जमीन से जुड़े मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं, खासकर यदि कोई पुराना सौदा लंबित है। आर्थिक लाभ के संकेत भी दिखाई दे रहे हैं। पुराने मित्रों से संपर्क होने की संभावना है, जिससे पुरानी यादें ताजा हो सकती हैं। छात्रों को पढ़ाई में ध्यान केंद्रित करने की जरूरत होगी, क्योंकि यह समय मेहनत करने का है।

मीन राशि के जातकों के लिए शुक्रवार का दिन संतोषजनक रह सकता है। व्यापार से जुड़े लोगों को सामान्य से अधिक लाभ मिलने के संकेत हैं, खासकर यात्रा या सेवा से जुड़े कार्यों में। लंबे समय से अटका हुआ धन वापस मिलने की संभावना बन सकती है, जिससे आर्थिक राहत मिलेगी।

स्त्री शक्ति के महत्त्व से राष्ट्र निर्माण में चौतरफा विकास।

नारी शक्ति को सदैव महत्व की दरकार

भारतीय संस्कृति और इतिहास में स्त्रियों को सदैव उच्च स्थान प्रदान किया गया हैद्य यह भी मान्यता मानी गई है कि जिस घर में स्त्री का सम्मान होता है, वह घर धन-धान्य से परिपूर्ण हो कर समाज में विशिष्ट स्थान बनाता हैद्य यही कारण है कि भारत देश को भारत माता कहा जाता हैद्य नारी तथा समस्त स्त्री जाति ने भारत देश का मान सदैव शीर्षस्थ बना कर रखा है ऐसे अनगिनत उदाहरण इतिहास में और वर्तमान में हमारे समक्ष हैं जिससे हमारा सिर सदैव वैश्विक स्तर पर ऊंचा हुआ है।

महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट ने नारी की महत्ता को बताते हुए कहा था कि %मुझे एक योग्य माता दे दो, मैं तुम्हें एक योग्य राष्ट्र दूंगा%। मानव कल्याण की भावना, कर्तव्य, सृजनशीलता और ममता को सर्वोपरि मानते हुए महिलाओं ने इस जगत में मां के रूप में अपनी सर्वोपरि भूमिका को निभाते हुए राष्ट्र निर्माण और विकास में अपने विशेष दायित्वों का निर्वहन किया है। किसी भी राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं का महत्व इसलिए भी सर्वोपरि है कि महिलाएं बच्चों को जन्म देकर उनका पालन पोषण करते हुए उनमें संस्कार एवं सद्गुणों का उच्चतम विकास करती हैं,और राष्ट्र के प्रति उनकी जिम्मेदारी को सुनिश्चित करती है। जिससे राष्ट्र निर्माण और विकास निर्बाध गति से होता रहे। वीर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, विवेकानंद जैसी विभूतियों का देश हित में अवतार माँ के लालन-पालन की ही देन है। जीजाबाई,जयंताबाई, पन्ना धाय जैसी अनेक माताओं को त्याग समर्पण और त्याग को भी इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों से अंकित किया गया है। माताएं ही हैं जो बहुआयामी व्यक्तित्व का निर्माण और विकास करती है। मूलत: माताएं, स्त्रियां की राष्ट्र निर्माण की सशक्त सूत्रधार होती है। राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में नारी विधाता की सर्वोत्तम और उत्कृष्ट कृति है। जो जीवन की बगिया को महकाती है और न केवल व्यक्तिगत बल्कि राष्ट्र निर्माण एवं विकास में अपनी महती भूमिका निभाती है। नारी के लिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि उनमें विविधता में एकता होती है। महिलाओं के बाह्य रूप और सौंदर्य तथा पहनावे में विस्तृत विविधता तो होती ही है, लेकिन उनके मानस में एक आकार और केंद्रीय शक्ति ईश्वर की तरह एक ही होती है। नारी का स्वरूप न केवल बाहर अपितु अंतर्मन के ममत्व भाव का वृहद स्वरूप का भी रहस्योद्घाटन करती हैं, नारी प्रकृति एवं ईश्वरिय जगत का अद्भुत पवित्र साध्य है, जिसे अनुभव करने के लिए पवित्र साधन एवं दृष्टि का होना आवश्यक है, नारी का स्वरूप विराट होता है जिसके समक्ष स्वयं विधाता भी नतमस्तक हो जाते हैं, नारी अमृत वरदान होने के साथ-साथ दिव्य औषधि भी है। समाज के सांस्कृतिक धार्मिक भौगोलिक ऐतिहासिक और साहित्यिक जगत में नारी यानी स्त्री का दिव्य स्वरूप प्रस्फुटित हुआ है और जिसके फलस्वरूप राष्ट्र ने नई नई ऊंचाइयों को भी शिरोधार्य किया है। सभ्यता, संस्कृति ,संस्कार और परंपराएं महिलाओं के कारण ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होती हैं ।अत: महिलाओं की सामाजिक, शैक्षिक, धार्मिक कार्य शक्ति ही परिवार तथा समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं। नारियों के संदर्भ में यह भी कहा गया है कि सशक्त महिला सशक्त समाज की आधारशिला होती है। माताएं शिशु की प्रथम शिक्षिका होती है। माता के बाद बहन,पत्नी का अवतार राष्ट्र निर्माण और विकास के साथ-साथ पथ प्रदर्शक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, पत्नी चाहे तो पति को गुणवान और सद्गुणी बना सकती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कभी देश में संकट आया है तो पत्नियों ने अपने पतियों के माथे पर तिलक लगाकर जोश, जुनून और विश्वास के साथ रणभूमि भेजा है और विजयश्री प्राप्त की है। तुलसीदास जी के जीवन में आध्यात्मिक चेतना प्रदान करने के लिए उनकी पत्नी रत्नावली का ही हाथ था।विद्योत्मा ने कालिदास को संस्कृत का प्रकांड महाकवि बनाया था, इसके अतिरिक्त यह कहना भी गलत नहीं होगा कि पति को भ्रष्टाचार, बेईमानी, लूट,गबन आदि जो कि राष्ट्र को खोखला बनाते हैं जैसी बुराइयों से पत्नी ही दूर रख सकती है और उन्हें इन विसंगतियों से अपनी सलाह के अनुसार बचाती है। सही मायनों में महिलाएं ही संस्कृति, संस्कार और परंपराओं की संरक्षिका होती है। वे पीढ़ी दर पीढ़ी इसका संचालन आरक्षण करती आ रही है। पूरे विश्व में भारत को विश्व गुरु का दर्जा दिलाने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं महती रही है। स्वतंत्रता के आंदोलन की चर्चा ना करना इस आलेख को पूर्ण बनाता है, अत: स्वाधीनता के आंदोलन में महिलाओं ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर भारत के नवनिर्माण में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है, कैप्टन लक्ष्मी सहगल, अरूणा आसफ अली, मैडम भीकाजी कामा,सरोजिनी नायडू, एनी बेसेंट, दुर्गा भाभी और न जाने कितनी महिलाओं ने राष्ट्र निर्माण और विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है। राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है, विजयलक्ष्मी पंडित विश्व की प्रथम महिला जो संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष बनी, सरोजनी नायडू, सुचेता कृपलानी, इंदिरा गांधी जैसे महिलाओं ने राजनीतिक प्रतिभा का प्रयोग राष्ट्र निर्माण और विकास में किया है जो अपने समय के महत्वपूर्ण सशक्त हस्ताक्षर थी। वर्तमान में भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ममता बनर्जी, मायावती, स्मृति ईरानी, सोनिया गांधी,प्रियंका गांधी, हरसिमरन, कौर वसुंधरा राजे सिंधिया, प्रतिभा पाटिल, मृदुला सिन्हा आदि ने राजनीति मैं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर अपने कार्यों से महिलाओं का सम्मान बढ़ाया एवं देश की अर्थव्यवस्था सुधारने में अपना योगदान दिया है। यह कहने में कतई गुरेज नहीं है कि महिलाएं राजनीति, सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक, चिकित्सकीय, और विज्ञान में देश के हित के लिए अग्रणी रही हैं।

मोहाली में 10 साल के मासूम को ट्रैक्टर ने दो बार कुचला, इकलौते बेटे की मौत से मचा कोहराम

मोहाली (आरएनएस)। मोहाली की बड़ माजरा कॉलोनी में एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां सीवर साफ करने वाले एक ट्रैक्टर ने 10 साल के एक मासूम बच्चे को बेदर्दी से कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक बच्चे की पहचान छठी कक्षा के छात्र शौर्य निषाद के रूप में हुई है। इस खौफनाक हादसे के बाद गुस्साए परिजनों और स्थानीय लोगों ने मौके पर भारी हंगामा किया और फेज-1 की सड़क को पूरी तरह से जाम कर दिया।

भागने के चक्कर में दो बार चढ़ाया टायर

प्रत्यक्षदर्शियों और मृतक के परिजनों का आरोप है कि ट्रैक्टर चालक की घोर लापरवाही और संवेदनहीनता ने मासूम की जान ली है। संदीप नाम के एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि ट्रैक्टर ने पहले बच्चे पर अगला टायर चढ़ाया और फिर रुकने के बजाय वहां से भागने की कोशिश की। इसी जल्दबाजी और भागने के चक्कर में क्रूर ड्राइवर ने बच्चे के ऊपर ट्रैक्टर का पिछला टायर भी चढ़ा दिया। हादसे के तुरंत बाद लोगों ने ड्राइवर को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह मौके से फरार हो गया। हालांकि, बाद में पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है और ट्रैक्टर को भी अपने कब्जे में ले लिया है।

यूपी से रोजी-रोटी कमाने आया था परिवार, छिन गया इकलौता चिराग

मासूम शौर्य की मौत से उसके माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है। जानकारी के मुताबिक, यह परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला है और करीब आठ साल पहले रोजी-रोटी की तलाश में मोहाली आकर बसा था। शौर्य अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। बच्चे के मामा होरी लाल ने पुलिस प्रशासन पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पुलिस ने मौके पर पहुंचने में काफी देरी की और अब उन्हें कानूनी कार्रवाई करने की बजाय कथित तौर पर समझौता करने के लिए कहा जा रहा है।

परिजनों की सख्त मांग, दर्ज हो हत्या का मुकदमा

पुलिस ने बच्चे के शव को कब्जे में लेकर अस्पताल पहुंचा दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। लेकिन, पीड़ित परिवार और कॉलोनी के लोग पुलिस की अब तक की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं। उनकी स्पष्ट मांग है कि आरोपी ट्रैक्टर ड्राइवर के खिलाफ केवल एक्सीडेंट का नहीं, बल्कि हत्या का सीधा केस दर्ज होना चाहिए क्योंकि उसने जानबूझकर भागते समय बच्चे को दोबारा कुचला है। परिजनों का कहना है कि जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलेगा और कड़ी धाराओं में मामला दर्ज नहीं होगा, वे अपना विरोध जारी रखेंगे।

अनिल अंबानी की रिलायंस पावर कंपनी से जुड़े ठिकानों पर ईडी की छापेमारी जारी

मुंबई (आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल अंबानी की रिलायंस पावर कंपनी के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। फिलहाल 10 से 12 स्थानों पर कार्रवाई जारी है। मुंबई और हैदराबाद सहित अन्य ठिकानों पर ईडी की 15 टीमें आज सुबह से ही छापेमारी कर रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, ये छापेमारी रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) से जुड़े बैंक धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रिलायंस पावर लिमिटेड से जुड़े लोगों के खिलाफ की जा रही है। गौरतलब है कि इससे पहले 25 फरवरी ईडी ने रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) से जुड़े बैंक धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अनिल अंबानी की मुंबई के पाली हिल स्थित आवासीय संपत्ति 'अबोड' को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया था, जिसकी अनुमानित कीमत 3,716.83 करोड़ रुपए है। इसके साथ ही इस समूह से जुड़ी अब तक कुर्क की गई कुल संपत्तियों का मूल्य 15,700 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। ईडी के विशेष कार्यबल (स्पेशल टास्क फोर्स) मुख्यालय ने यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की थी। इससे पहले इसी संपत्ति का एक हिस्सा 473.17 करोड़ रुपए की सीमा तक अटैच किया जा चुका था।

जांच में सामने आया है कि आरकॉम और उसकी समूह कंपनियों ने घरेलू और विदेशी बैंकों व वित्तीय संस्थानों से भारी मात्रा में ऋण लिया था। इनमें से कुल 40,185 करोड़ रुपए की राशि अभी भी बकाया है, जिनमें से कई खाते एनपीए (नॉन-परफॉर्मिंग एसेट) बन चुके हैं। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि पाली हिल की यह संपत्ति एक निजी पारिवारिक ट्रस्ट में स्थानांतरित कर दी गई थी, जो अनिल अंबानी के परिवार के सदस्यों से जुड़ा है। जांच एजेंसी के अनुसार, इस कॉर्पोरेट पुनर्गठन का उद्देश्य यह दिखाना था कि अनिल अंबानी का इस संपत्ति से सीधा संबंध नहीं है।

मिडिल ईस्ट टेंशन के बीच भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत! अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने पर दी ये बड़ी छूट

नई दिल्ली (आरएनएस)। मिडिल ईस्ट में मचे बवाल और भारत पर मंडराते संभावित तेल संकट के खतरे के बीच एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आई है। जो अमेरिका लगातार भारत पर रूसी तेल का आयात कम करने का भारी दबाव बना रहा था, उसी के ट्रेजरी विभाग ने अब एक बड़ा यू-टर्न ले लिया है। अमेरिका ने भारतीय रिफाइनरियों को रूस से तेल खरीदने के लिए 30 दिनों की विशेष अस्थायी छूट दे दी है। इस अचानक लिए गए फैसले से उन रूसी तेल टैंकरों को बड़ी राहत मिली है, जो हफ्तों से समुद्र में फंसे हुए थे और जिन्हें कोई खरीदार नहीं मिल रहा था।

समुद्र में क्यों लावारिस खड़े थे करोड़ों के तेल टैंकर?

नए अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भुगतान और बीमा को लेकर भारी अनिश्चितता पैदा हो गई थी। इसी खौफ के कारण रूसी तेल टैंकरों का तेल बंदरगाहों पर तुरंत उतारा नहीं जा रहा था। अमेरिकी सख्ती के चलते इन जहाजों की पोर्ट एंट्री और पैसों के लेन-देन पर बड़े सवाल खड़े हो गए थे। इसी वजह से भारतीय तेल रिफाइनरियों ने भी किनारे कर लिया था ताकि वे अनजाने में किसी अंतरराष्ट्रीय नियम या प्रतिबंध का उल्लंघन न कर बैठें। नतीजा यह हुआ कि तेल से लदे ये विशाल जहाज बीच समुद्र में ही रोक दिए गए। लेकिन अब अमेरिका से हरी झंडी मिलने के बाद इन जहाजों का तेल भारत आने का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है।

ईरान की चाल नाकाम करने के लिए ट्रंप प्रशासन का बड़ा दांव

अमेरिका का यह कदम मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच वैश्विक ऊर्जा बाजार को स्थिर रखने की एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। अमेरिकी प्रशासन का मानना है कि इस छूट से वैश्विक बाजार में तेल की सप्लाई चेन बनी रहेगी और ईरान द्वारा दुनिया की ऊर्जा जरूरतों को बंधक बनाने की कोशिशें नाकाम होंगी। अमेरिकी अधिकारी बेसेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भारत को एक बेहद जरूरी साझेदार बताते हुए स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति ट्रंप के ऊर्जा एजेंडे के तहत तेल और गैस का उत्पादन अपने उच्चतम स्तर पर है।

रूस को नहीं होगा कोई बड़ा फायदा

अमेरिका ने यह भी साफ कर दिया है कि 30 दिनों की यह छूट केवल एक अल्पकालिक उपाय है और इससे रूसी सरकार को कोई बहुत बड़ा वित्तीय लाभ नहीं होने वाला है। यह अनुमति सिर्फ और सिर्फ उन तेल जहाजों के लिए दी गई है जो पहले से ही समुद्र में फंसे हुए थे। साथ ही, अमेरिका ने यह स्पष्ट उम्मीद जताई है कि आने वाले समय में नई दिल्ली अमेरिकी तेल की खरीद में इजाफा करेगी।

बिहार के डिप्टी चीफ मिनिस्टर सम्राट चौधरी पटना में बीजेपी नेता नंद किशोर यादव को नागालैंड का नया गवर्नर बनाए जाने पर बधाई देते हुए।

ममता बनर्जी एसआईआर को लेकर करेंगी अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन, कोलकाता से होगी शुरुआत

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य में चल रहे विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के विरोध में शुक्रवार दोपहर से मध्य कोलकाता के एस्प्लेनेड ईस्ट में अपना अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू करेंगी। जानकारी के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता और नेता शुक्रवार सुबह एस्प्लेनेड ईस्ट में इकट्ठा होना शुरू करेंगे। मुख्यमंत्री के दोपहर करीब 2 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने और प्रदर्शन शुरू करने की उम्मीद है। तृणमूल कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, फिलहाल यह तय किया गया है कि धरना प्रदर्शन अनिश्चित काल तक चलेगा। हमारी मुख्य मांगें हैं कि मतदाता सूची से एक भी वास्तविक मतदाता को बाहर न किया जाए और पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव उन 63 लाख मामलों को मतदाता सूची से बाहर रखकर न कराए जाएं, जिन पर वर्तमान में न्यायिक सुनवाई चल रही है।संयोगवश, मुख्यमंत्री के धरने का स्थान पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय से मात्र 1.5 किलोमीटर दूर है। मुख्यमंत्री का अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन चुनाव आयोग की पूरी बेंच के 8 मार्च की रात को कोलकाता पहुंचने से ठीक पहले शुरू हो रहा है। इस बेंच का नेतृत्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार कर रहे हैं और अगले दो दिनों का उनका कार्यक्रम काफी व्यस्त है।एस्प्लेनेड ईस्ट स्थित धरने के स्थल पर एक विशाल मंच स्थापित किया गया है।

चारधाम यात्रा 2026 : आज से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू, 19 अप्रैल से खुलेंगे गंगोत्री-यमुनोत्री के कपाट

देहरादून(आरएनएस)। चारधाम यात्रा-2026 के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन आज सुबह 7 बजे से शुरू हो गया है। जबकि 17 अप्रैल से ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू होगा। उत्तराखंड सरकार ने यात्रा से पहले रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिया है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन उत्तराखंड सरकार की वेबसाइट रजिस्ट्रेशनडीटूरिस्टकेयर.यूके.जीओवी.इन और मोबाइल ऐप टूरिस्ट केयर उत्तराखंड से कर सकते हैं।

उत्तराखंड सरकार की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, 19 अप्रैल को यमुनोत्री और गंगोत्री के कपाट खुलेंगे। 22 अप्रैल को केदारनाथ और 23 अप्रैल को बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलेंगे। श्रीहेमकुण्ड साहिब की आधिकारिक घोषणा बाद में की जाएगी।

उत्तराखंड सरकार की ओर से बताया गया है कि चारधाम यात्रा 2026 में आने के लिए भारतीय श्रद्धालु अपना पंजीकरण आधार कार्ड के माध्यम से कर सकेंगे, जबकि विदेशी श्रद्धालुओं के लिए ई-मेल आईडी की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

जिन श्रद्धालुओं के पास आधार कार्ड उपलब्ध नहीं है, उनके लिए पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी पंजीकरण काउंटरों की व्यवस्था की गई है। इन काउंटरों पर रजिस्ट्रेशन कपाट खुलने से दो दिन पूर्व, 17 अप्रैल 2026 से प्रारम्भ की जाएगी। पंजीकरण केन्द्र एवं ट्रांजिट कैंप ऋषिकेश, पंजीकरण केन्द्र ऋषिकुल ग्राउंड हरिद्वार और पंजीकरण केंद्र विकास नगर देहरादून में खुलेंगे।

श्रद्धालु किसी भी प्रकार की जानकारी या असुविधा होने पर टोल फ्री नंबर 0135-1364 पर कॉल कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उत्तराखंड सरकार ने चारधाम यात्रा में आने वाले सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि यात्रा को सुगम एवं व्यवस्थित बनाने के लिए यात्रा से पूर्व अपना पंजीकरण अनिवार्य रूप से करवा लें।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यमुनोत्री से यात्रा शुरू करने पर चारधाम यात्रा में किसी भी प्रकार की रुकावट भक्तों को नहीं आती है। यमुनोत्री, यमुना नदी का उद्गम स्थल है। यमुना जी यमराज की बहन हैं और उन्हें वरदान प्राप्त है कि वह अपने जल के माध्यम से सभी का दुख दूर करेंगी। मान्यता है कि जो श्रद्धालु यमुनोत्री में स्नान करता है, उसे मृत्यु के भय से मुक्ति मिल जाती है। हर साल की तरह इस बार भी बाबा केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है।

बिहार की कुर्सी पर अब किसका होगा राज? नीतीश कुमार के इस्तीफे से ठीक पहले ललन सिंह ने खोल दिया बड़ा राज

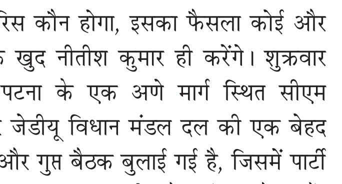

पटना(आरएनएस)। बिहार की राजनीति में इस वक्त जबरदस्त भूचाल आया हुआ है और हर किसी की जुबान पर बस एक ही सवाल है कि आखिर नीतीश कुमार के बाद राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राज्यसभा के लिए नामांकन भरने और जल्द ही सीएम पद से इस्तीफा देने की खबरों के बीच अब एक बहुत बड़ा पर्दाफाश हुआ है। केंद्रीय मंत्री और जेडीयू के कद्दावर नेता राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने शुक्रवार शाम सीएम आवास पर बुलाई गई एक अहम बैठक से ठीक पहले ऐसा बयान दे दिया है, जिसने विपक्ष से लेकर सत्ता पक्ष तक सभी की धड़कनें तेज कर दी हैं।ललन सिंह ने पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से भारी भीड़ के बीच बातचीत करते हुए साफ शब्दों में यह बड़ा ऐलान कर दिया कि बिहार की सत्ता का अगला वारिस कौन होगा, इसका फैसला कोई और नहीं बल्कि खुद नीतीश कुमार ही करेंगे। शुक्रवार शाम को पटना के एक अणे मार्ग स्थित सीएम आवास पर जेडीयू विधान मंडल दल की एक बेहद महत्वपूर्ण और गुप्त बैठक बुलाई गई है, जिसमें पार्टी के सभी विधायक, एमएलसी और सांसद मौजूद हैं। इसी हाई-वोल्टेज मीटिंग में शामिल होने पहुंचे पूर्व जेडीयू अध्यक्ष ने विपक्ष के उन सभी दावों की पूरी तरह हवा निकाल दी, जिनमें यह अफवाह फैलाई जा रही थी कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने किसी गहरी राजनीतिक साजिश के तहत नीतीश कुमार को कुर्सी से हटाकर राज्यसभा भेजा है। ललन सिंह ने दो टूक लहजे में कहा कि आज तक कोई भी नेता नीतीश कुमार से उनकी इच्छा के विपरीत कोई निर्णय नहीं करवा सका है।

नशामुक्ति केंद्र में दरिंदगी, दवा खाने से किया इनकार तो स्टाफ ने ही लाठियों से पीट-पीटकर मार डाला

सूरत (आरएनएस)। गुजरात के सूरत शहर से एक बेहद दर्दनाक और इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। जिस नशामुक्ति केंद्र में लोग अपने परिजनों को नई जिंदगी मिलने की आस में छोड़ते हैं, वहीं रक्षक ही भक्षक बन गए। यहाँ इलाज कराने आए एक 32 वर्षीय मरीज को अस्पताल के कर्मचारियों ने ही इतनी बेरहमी से पीटा कि उसकी तड़प-तड़प कर मौत हो गई। इस खौफनाक वारदात ने पूरे शहर में सनसनी फैला दी है और स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर चल रहे इन केंद्रों की सुरक्षा पर बड़े और गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।पुलिस द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, यह रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना डुमास इलाके में स्थित 'रीवा व्यसन मुक्ति और पुनर्वास केंद्र' में हुई है। मृतक की पहचान 32 वर्षीय धवल राठौड़ के रूप में हुई है, जिसे इसी साल 28 फरवरी को नशा छुड़ाने के लिए इस रिहैब सेंटर में भर्ती कराया गया था। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) श्वेता डेनियल ने बताया कि धवल ने जब केंद्र में दी जा रही दवा खाने से मना किया, तो वहां मौजूद स्टाफ बुरी तरह भड़क गया। बात इतनी बिगड़ गई कि कर्मचारियों ने उसे लाठियों से बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। लगातार हुई इस पिटाई के बाद 1 मार्च की रात को जब उसकी हालत बेहद नाजुक हो गई, तो बदहवासी में उसे 108 नंबर की एंबुलेंस से न्यू सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।शुरुआत में इसे एक सामान्य मौत की तरह पेश करने की कोशिश की गई, लेकिन जब पुलिस ने धवल के शव की जांच की, तो शरीर पर मौजूद चोट के भयानक निशानों ने मर्डर की गवाही दे दी। शक पुख्ता होने पर शव को तुरंत पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इस खौफनाक सच से पर्दा उठा कि धवल की जान सिर, कमर और शरीर के अन्य हिस्सों पर लाठियों से किए गए जानलेवा प्रहार के कारण गई है।इसके बाद हरकत में आई पुलिस ने नशामुक्ति केंद्र के अन्य मरीजों और स्टाफ से सख्ती से पूछताछ की, जिसमें पूरी साजिश का पर्दाफाश हो गया।

मध्य पूर्व के कुछ देशों से भारतीय एयरलाइंस ने फिर शुरू की सीमित उड़ान सेवाएं

नई दिल्ली (आरएनएस)। इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट सहित घरेलू एयरलाइंस ने शुक्रवार से मध्य पूर्व से आने-जाने वाली सीमित उड़ान सेवाओं को धीरे-धीरे फिर से शुरू कर दिया है। हालांकि अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध से जुड़े हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों के कारण अब भी हजारों उड़ानें रद्द हैं। इंडिगो ने बताया कि वह शुक्रवार को मध्य पूर्व के आठ गंतव्यों के लिए 17 उड़ानें (34 सेक्टर) संचालित करेगी और सरकार के साथ मिलकर सुरक्षित तरीके से सेवाएं पूरी तरह बहाल करने पर काम कर रही है। कई रिपोर्ट्स के अनुसार, अधिकारियों द्वारा सऊदी अरब और ओमान के हवाई क्षेत्र खुले होने की पुष्टि के बाद एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने जेद्दा और मस्कट से आने-जाने वाली उड़ानों को फिर से शुरू करने की घोषणा की है।

स्पाइसजेट ने कहा कि वह 6 और 7 मार्च को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत के लिए विशेष उड़ानें संचालित करेगी। इसके अलावा यात्रियों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए 8 मार्च को भी अतिरिक्त उड़ानें चलाई जाएंगी।

इंडिगो ने यह भी कहा कि जिन यात्रियों की उड़ानें बुक हैं, उनसे एयरलाइन सीधे संपर्क करेगी। यात्रियों को सलाह दी गई है कि एयरलाइन से सूचना मिलने के बाद ही एयरपोर्ट जाएं।

एयर इंडिया ने 6 मार्च को दुबई, रास अल खैमाह और फुजैराह जैसे केंद्रों से विशेष प्रत्यावर्तन (रिपेट्रिएशन) उड़ानें चलाने की भी घोषणा की है। हालांकि इसके लिए नियामक मंजूरी जरूरी होगी।

एयरलाइन ने बताया कि पश्चिम एशिया के अन्य गंतव्यों के लिए निर्धारित उड़ान सेवाएं 10 मार्च तक स्थगित रहेंगी। वहीं जिन यात्रियों के टिकट 4 मार्च तक जारी हुए हैं और जिनकी यात्रा 28 फरवरी से 8 मार्च के बीच की है, वे बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के एक महीने के भीतर अपनी यात्रा दोबारा शेड्यूल कर सकते हैं।

उद्योग से जुड़े आंकड़ों के मुताबिक, दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गुरुवार को उड़ानों की आवाजाही पिछले दिन के मुकाबले लगभग दोगुनी हो गई और यह सामान्य स्तर के करीब 25 प्रतिशत तक पहुंच गई।डेटा के अनुसार, 28 फरवरी से 5 मार्च के बीच मध्य पूर्व से आने-जाने वाली 44,000 से अधिक उड़ानें निर्धारित थीं, जिनमें से अब तक 25,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हो चुकी हैं।

इस बीच नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पहले ही बताया था कि वह एयरलाइंस और संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय कर रहा है और फंसे हुए यात्रियों की मदद के लिए यात्री सहायता नियंत्रण कक्ष भी सक्रिय किया गया है।

नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि वह एयरलाइंस के साथ लगातार संपर्क में है और हवाई किरायों पर भी नजर रख रहा है ताकि इस अवधि के दौरान टिकट की कीमतों में अनावश्यक बढ़ोतरी न हो।

राम चरण की फिल्म 'पेड्डी' का नया पोस्टर जारी, नए लुक में दिखीं जाह्नवी कपूर

राम चरण की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पेड्डी' लंबे समय से चर्चा में बनी हुई है। साल 2025 में रिलीज हुई गेम चेंजर के अपेक्षित प्रदर्शन न कर पाने के बाद दर्शकों की उम्मीदें अब इस फिल्म पर टिकी हैं। बुची बाबू सना के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में जाह्नवी कपूर मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आएंगी। अभिनेत्री के 29वें जन्मदिन के खास मौके पर निर्माताओं ने फिल्म से उनका नया पोस्टर जारी किया है।

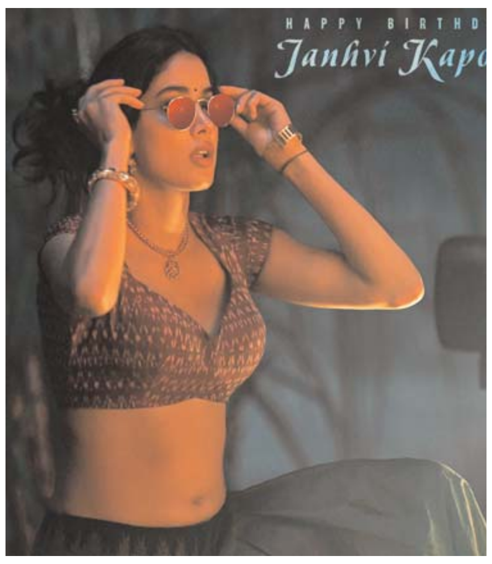

'अचियम्मा' के रूप में दिखा नया अंदाज

30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही 'पेड्डी' में जाह्नवी कपूर 'अचियम्मा' नाम के किरदार में नजर आएंगी। जारी पोस्टर में उनका लुक बेहद दमदार और अलग दिखाई दे रहा है। सूती कपड़ों और गोल फ्रेम वाले चश्मे के साथ उनका अंदाज एक ग्रामीण और सशक्त युवती का एहसास कराता है। पोस्टर में जाह्नवी आत्मविश्वास और ऊर्जा से भरपूर नजर आ रही हैं।

पहली बार साथ दिखेगी राम चरण-जाह्नवी की जोड़ी

इस फिल्म के जरिए पहली बार राम चरण और जाह्नवी कपूर की जोड़ी बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी। हालांकि, यह जाह्नवी की दूसरी तेलुगु फिल्म है। इससे पहले वह जूनियर एनटीआर की फिल्म 'देवरा' में नजर आ चुकी हैं। फिल्म 'पेड्डी' को लेकर दर्शकों में पहले से ही उत्साह बना हुआ है और अब जाह्नवी के नए लुक ने फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है।

'सैयारा' की सफलता के बाद अहान पांडे ने झेली महीनों तकलीफ़

अपनी डेब्यू फिल्म सैयारा से साल 2025 में बॉलीवुड के उभरते अभिनेता अहान पांडे ने धमाकेदार पहचान बनाई थी। इस सफलता के पीछे एक ऐसा दर्द था, जिसे अब अहान ने पहली बार साझा किया है। एक्टर ने खुलासा किया कि फिल्म रिलीज होने के तुरंत बाद उन्हें जिंदगी की सबसे तकलीफदेह सर्जरी से गुजरना पड़ा, जिसने उन्हें महीनों तक सामान्य जीवन से दूर रखा। अहान ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्हें पिछले साल एक बड़ी सर्जरी करानी पड़ी, जो बेहद दर्दनाक रही। उन्होंने कहा कि उनका शरीर इतनी परेशानी से गुजरा कि लंबे समय तक वे न तो सामान्य तौर पर चल-फिर पा रहे थे और न ही वजन उठा पा रहे थे। यह स्थिति उनके लिए शारीरिक और मानसिक, दोनों स्तर पर चुनौती बन गई। कुछ साल पहले हुए एक स्नोमोबाइल हादसे का असर उनके कंधे पर गंभीर रूप से पड़ा था। चोट इतनी गहरी थी कि समय के साथ यह बढ़ती ही चली गई और जिम में वर्कआउट करना उनके लिए लगभग असंभव हो गया। आखिरकार उन्होंने सर्जरी का निर्णय लिया, हालांकि डॉक्टर ने उन्हें पहले ही चेतावनी दे दी थी कि ऑपरेशन के बाद उनका शरीर पहले जैसा नहीं रह पाएगा और फिल्मों के लिए जरूरी फिजिक हासिल करना उनके लिए बेहद मुश्किल होगा। अहान के मुताबिक, वह हमेशा उन एक्टर्स से प्रेरणा लेते रहे हैं जो जिम में जाकर अपनी बॉडी में जबरदस्त बदलाव लाने में सफल होते हैं। लेकिन उनका मामला बिल्कुल अलग था—वे अनहेल्दी शरीर नहीं, बल्कि एक गंभीर चोट से जूझ रहे थे। उन्होंने बताया कि पहले चलना-फिरना भी मुश्किल था,

रील लाइक विवाद पर यामी गौतम ने तोड़ी चुप्पी

यामी गौतम आमतौर पर विवादों से दूर रहने वाली अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं, लेकिन हाल ही में वह सोशल मीडिया पर एक विवाद में घिर गईं। दरअसल, एक पोस्ट को लाइक करने के बाद उन्हें ट्रोल किया जाने लगा। मामला बढ़ता देख अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर सफाई देते हुए कहा कि संबंधित पोस्ट उन्होंने जानबूझकर लाइक नहीं की थी, बल्कि संभव है कि वह गलती से क्लिक हो गई हो।

कृति सैनन की पोस्ट लाइक करने पर हुआ विवाद

हाल ही में हुए ज़ी सिने अवॉर्ड्स में कृति सैनन को फिल्म 'तेरे इश्क में' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार दिया गया। इसके बाद सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने कृति को ट्रोल करते हुए कहा कि इस सम्मान की असली हकदार यामी थीं, जिन्होंने फिल्म 'हक' में अपने अभिनय से काफी प्रशंसा हासिल की थी। इसी दौरान कृति के खिलाफ एक पोस्ट को यामी द्वारा लाइक किए जाने पर विवाद खड़ा हो गया।

यामी ने दी सफाई

विवाद बढ़ने के बाद यामी गौतम ने अपनी पोस्ट में लिखा, "मुझे पता चला कि मैंने एक ऐसी रील को लाइक कर दिया है जो किसी दूसरे अभिनेता के प्रति अपमानजनक है। हमें रोज कई पोस्ट में टैग किया जाता है और यह भी उसी तरह का एक टैग लगा कंटेंट लगा। मैंने पहले ही पुरस्कार समारोहों को लेकर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है और मैं फिलहाल अपने काम पर ध्यान दे रही हूं।" यामी के इस स्पष्टीकरण के बाद कई प्रशंसकों ने उनका समर्थन किया और कहा कि अभिनेत्री बेवजह विवादों में घसीटी जा रही हैं।

अदा शर्मा ने 'द केरल स्टोरी 2' को लेकर तोड़ी चुप्पी

निर्माता विपुल अमृतलाल शाह की फिल्म 'द केरल स्टोरी 2= गोज बियॉन्ड' इन दिनों सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही है। साल 2023 में रिलीज हुई 'द केरल स्टोरी' की सफलता के बाद इसका दूसरा भाग दर्शकों के बीच लाया गया है। हालांकि, फिल्म में पहली किस्त की मुख्य अभिनेत्री अदा शर्मा की अनुपस्थिति ने प्रशंसकों को चौंका दिया। अब अभिनेत्री ने सीक्वल में नजर न आने को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

जिस फिल्म में नहीं होती, उस पर बोलना सही नहीं

एक कार्यक्रम के दौरान अदा शर्मा ने इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि उन्हें उन फिल्मों के बारे में बात करना पसंद है, जिनमें वह काम करती हैं। उन्होंने कहा, "जब मैं किसी फिल्म का हिस्सा नहीं होती, तो मुझे लगता है कि सिर्फ सुर्खियों में आने के लिए उसके बारे में बोलना सही नहीं है।" अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्हें सीक्वल का प्रस्ताव मिला या नहीं, यह फिल्म निर्माताओं और कलाकार के बीच की निजी बात है और इस पर

सार्वजनिक रूप से चर्चा नहीं होनी चाहिए।

बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन पर भी दिया जवाब

फिल्म के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन को लेकर पूछे गए सवाल पर अदा ने कहा कि दर्शकों का प्यार ही उनके लिए सबसे अहम है। उन्होंने कहा, "मेरे दर्शक मुझे बहुत प्यार करते हैं और हर फिल्म में देखना चाहते हैं। मेरी पहली फिल्म '1920' से लेकर 'द केरल स्टोरी' तक मुझे अलग-अलग किरदार निभाने का मौका मिला है।

कमाई के मामले में पिछड़ी सीक्वल

रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड' ने रिलीज के पहले सप्ताह में करीब 22.55 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। वहीं पहली फिल्म 'द केरल स्टोरी' ने अपने पहले सप्ताह में 81.14 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की थी। ऐसे में कमाई के मामले में सीक्वल पहली किस्त से काफी पीछे नजर आ रही है।--

स्कर 2026 में प्रियंका चोपड़ा निभाएंगी खास भूमिका

प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर वैश्विक मंच पर भारत का नाम रोशन करने जा रही हैं। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित फिल्म पुरस्कार समारोह ऑस्कर पुरस्कार 2026 के लिए प्रेजेंटर्स की सूची जारी कर दी गई है, जिसमें प्रियंका का नाम भी शामिल है। खास बात यह है कि वह इस बार हॉलीवुड के दिग्गज सितारों रॉबर्ट डाउनी जूनियर और ऐनी हैथवे के साथ मंच शेयर करती नजर आएंगी।अकादमी द्वारा जारी सूची के अनुसार, प्रियंका इस साल ऑस्कर समारोह में प्रेजेंटर के रूप में पुरस्कार प्रदान करेंगी। ग्लोबल स्टार बन चुकीं प्रियंका की इस उपलब्धि से भारतीय प्रशंसकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

10 साल बाद ऑस्कर मंच पर वापसी

गौरतलब है कि प्रेजेंटर के रूप में यह प्रियंका की ऑस्कर मंच पर वापसी होगी। इससे पहले वह 2016 में आयोजित अकादमी पुरस्कार समारोह में भी एक अवॉर्ड प्रस्तुत कर चुकी हैं। उस समय भी उनकी मौजूदगी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय कलाकारों की मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई थी। हाल ही में वह गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स 2026 में भी प्रेजेंटर की भूमिका निभा चुकी हैं।

भारत में कब और कहां देखें समारोह

दुनिया के 98वें अकादमी पुरस्कार समारोह का आयोजन लॉस एंजिल्स के प्रसिद्ध डॉल्बी थिएटर में किया जाएगा। अमेरिका में यह समारोह 15 मार्च को आयोजित होगा, जबकि भारत में इसका सीधा प्रसारण 16 मार्च 2026 को सुबह 5=30 बजे से देखा जा सकेगा। भारतीय दर्शक इसे जियो हॉटस्टार और स्टार नेटवर्क के चैनलों पर लाइव देख सकेंगे। वहीं अमेरिका में इसका प्रसारण एबीकी और हुलू पर किया जाएगा।

खामेनेई की मौत पर फरहाना भट्ट ने जताया दुख, हो रही निंदा

ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई का निधन 28 फरवरी 2026 को अमेरिका-ईरान संघर्ष के दौरान हुआ था। उनकी मौत के बाद दुनिया भर में अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आईं, जिनमें भारत के कई राज्यों में शिया समुदाय के कुछ हिस्सों द्वारा शोक मनाया जाना भी शामिल है। इसी बीच रियलिटी शो बिग बॉस 19 की रनरअप फरहाना भट्ट का बयान सामने आते ही सोशल मीडिया पर इसे लेकर बहस तेज हो गई।

फरहाना ने एक इंटरव्यू में कहा कि खामेनेई एक ऐसी शख्सियत थे जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि वह कई लोगों के दिलों में हमेशा जिंदा रहेंगे और अल्लाह उनकी शहादत कबूल करे। उन्होंने बताया कि इस खबर के बाद से वे बेहद दुखी हैं और सेहरी के बाद बिल्कुल नहीं सो पाईं। फरहाना के अनुसार, कश्मीर में भी इस खबर को लेकर लोगों में गहरा दुख है और कई लोग हिल चुके हैं। उनका यह वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हुआ और लोगों ने इस बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। फरहाना के बयान की आलोचना करते हुए टीवी अभिनेत्री हिना खान के पति रॉकी जयसवाल ने सोशल मीडिया पर लिखा कि देश के प्रति वफादारी सबसे पहले होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि किसी भी तानाशाह के प्रति सहानुभूति जताना आसान है, लेकिन यह भूल नहीं जाना चाहिए कि आप एक लोकतांत्रिक देश में पूरी स्वतंत्रता के साथ रहते हैं। रॉकी ने तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने कभी किसी भारतीय सैनिक, आतंकी हमले के पीड़ित या यहां तक कि महान वैज्ञानिक एपीजे अब्दुल कलाम के लिए भी ऐसा दुख और आंसू नहीं देखा। रॉकी ने आगे लिखा कि अगर कोई अपनी निजी भावनाएं सार्वजनिक तौर पर व्यक्त करता है तो उसे आलोचना के लिए भी तैयार रहना चाहिए।

उनके अनुसार, ऐसे विदेशी नेता के लिए शोक व्यक्त करना, जो हमेशा भारत के विरोध में रहा, उन लोगों के साथ अन्याय है जो देश की रक्षा करते हैं। फरहाना के वीडियो पर सोशल मीडिया पर भी लोगों की तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं।

हंसी के साथ-साथ गहरा संदेश भी देती है 'तन्वी द ग्रेट'

कॉमेडी और संवेदनशील अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर इस बार एक ऐसी कहानी लेकर आए हैं, जो हंसी के साथ-साथ गहरा संदेश भी देती है। अनुपम खेर की नई फिल्म तन्वी द ग्रेट अमेज़न प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है और इसके ट्रेलर ने दर्शकों का खूब ध्यान खींचा है। ट्रेलर देखकर समझा जा सकता है कि फिल्म एक भावनात्मक सफर है, जो किसी को भी आकर्षित कर सकती है।फिल्म की कहानी एक दादा और उनकी ऑटिज्म से पीड़ित पोती तन्वी के संबंधों पर आधारित है। तन्वी भले ही अलग तरीके से दुनिया को समझती है, लेकिन वह कमजोर नहीं। वह सामान्य बच्चों की तरह सब काम कर सकती है, बस थोड़ा धीरे और अपनी गति से। अनुपम खेर फिल्म में उसके दादा की भूमिका में हैं, जो उसकी देखभाल तो करते ही हैं, साथ ही उसे आत्मनिर्भर और साहसी बनने के लिए प्रेरित भी करते हैं। तन्वी का सपना भारतीय सेना में भर्ती होने का है और फिल्म इसी सपने की जद्दोजहद, उसके हौसले और उसकी अनोखी दुनिया को बेहद संवेदनशील तरीके से दर्शाती है।

ट्रेलर में अनुपम खेर की कॉमिक टाइमिंग और उनकी गंभीरता दोनों ही खूब प्रभावित करती हैं। वह एक तरफ खड़ूस दादा के किरदार में नजर आते हैं, तो दूसरी तरफ एक ऐसे संरक्षक के रूप में भी दिखते हैं जो अपनी पोती के लिए हर मुश्किल का सामना करने को तैयार है।

खट्टे और तीक्ष्ण फल पित्त बढ़ाते हैं और अग्नि को करते हैं कमजोर आयुर्वेद

अनियमित खानपान की वजह से थोड़ा-सा कुछ भी खाने के बाद गैस, पेट फूलना, सीने में जलन और हल्का दर्द जैसी परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। ऐसे में लोग अक्सर पेट को ठंडक देने के लिए फलों का सेवन करते हैं, लेकिन कई बार देखा जाता है कि फल खाने के बावजूद पेट की जलन या एसिडिटी कम नहीं होती, बल्कि और बढ़ जाती है। आयुर्वेद में स्पष्ट उल्लेख है कि खट्टे और तीक्ष्ण फल पित्त बढ़ाते हैं और अग्नि को कमजोर करते हैं।

इसलिए पाचन कमजोर होने पर फल चुनते समय विशेष सावधानी बरतना जरूरी है, ताकि पेट संबंधी समस्याओं से बचा जा सके। विशेषज्ञ बताते हैं कि इसका कारण है गलत फलों का चयन। बहुत कम लोग जानते हैं कि कुछ फल स्वभाव से ही अत्यधिक अम्लीय होते हैं, जिनमें मौजूद साइट्रिक एसिड पेट की संवेदनशील परत को नुकसान पहुंचा सकता है। इसी वजह से एसिडिटी, गैस और जलन की समस्या ज्यादा बढ़ जाती है। ऐसे लोग जिन्हें पाचन संबंधी दिक्कत रहती है, उन्हें इन फलों का सेवन सीमित मात्रा में करने की सलाह दी जाती है। सबसे पहले बात संतरे की। संतरा शरीर को विटामिन-सी देता है, लेकिन इसमें साइट्रिक एसिड की मात्रा काफी अधिक होती है। अधिक सेवन एसिड रिफ्लक्स बढ़ाता है और सीने में तेज जलन पैदा कर सकता है। पेट संबंधी समस्या वाले लोगों को संतरा कम मात्रा में ही लेना चाहिए। दूसरा है नींबू। नींबू को आमतौर पर डिटॉक्स के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन इसमें भी साइट्रिक एसिड काफी ज्यादा होता है। खाली पेट इसका सेवन गैस्ट्रिक एसिड को अचानक बढ़ा देता है, जिससे सीने में जलन और खट्टी डकारें आने लगती हैं। ऐसे में इसका सीमित और संतुलित सेवन ही सुरक्षित माना जाता है। तीसरा है अनानास। अनानास का स्वाद भले ही पसंद किया जाता हो, लेकिन इसका गुण अम्लीय और तीक्ष्ण होता है। इसके सेवन से पित्त बढ़ता है और संवेदनशील आंत को और अधिक उत्तेजित कर सकता है। जिन लोगों को आंतों से जुड़ी समस्या या पेट में सूजन रहती है, उन्हें अनानास से दूरी रखनी चाहिए। चौथा है कच्चा आम। कच्चे आम का गुण भारी और अम्लीय माना जाता है। इसे पचाने के लिए पेट को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, जिससे कफ और वात बढ़ जाते हैं। नतीजा अपच, गैस और पेट दर्द की समस्या। पांचवा है खट्टे अंगूर। खट्टे अंगूरों में अम्लता अधिक होती है, जो पित्त को बढ़ाती है। इससे पेट फूलना और गैस बनने की समस्या बार-बार हो सकती है। पाचन कमजोर होने पर इनका सेवन सीमित मात्रा में करना बेहतर है। इसके अलावा अमरूद को बीज सहित खाने से भी पेट फूल सकता है, क्योंकि इसके कठोर बीज पाचन को धीमा करते हैं। इसी तरह जामुन और अत्यधिक खट्टे बेरी फल भी पेट में पित्त और अम्लता बढ़ाते हैं।

रीढ़ को बनाता है मजबूत मार्जरी आसन

ऑफिस में घंटों कुर्सी पर बैठे रहने की आदत कमर, गर्दन और पीठ के दर्द की बड़ी वजह बन रही है। मोबाइल, लैपटॉप या कंप्यूटर स्क्रीन की ओर झुककर काम करने से पीठ में अकड़न, सर्वाइकल की समस्या, कमर का दर्द और शरीर में जकड़न बढ़ने लगती है। इस तरह की समस्या से निपटने के लिए महत्वपूर्ण योगासन है 'मार्जरी आसन'। इस योगासन को मार्जरी बिटिलासन या बिल्ली आसन भी कहा जाता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, मार्जरी आसन रीढ़ की हड्डी को मजबूत और लचीला बनाने में अत्यंत कारगर है। यह आसन बिल्ली की मुद्रा जैसी हलचल पर आधारित है, जिसमें पीठ को आगे और पीछे मोड़ा जाता है।

इस प्रक्रिया से रीढ़ की मांसपेशियों को आराम मिलता है, तनाव कम होता है और शरीर रिलैक्स महसूस करता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि रोजाना कुछ मिनट इस आसन का अभ्यास करने से ऑफिस वालों में होने वाली कमर और गर्दन दर्द की समस्या में काफी राहत मिलती है। योग विशेषज्ञ बताते हैं कि मार्जरी आसन के दौरान रीढ़ की हड्डी को लहर की तरह हिलाया जाता है, जिससे पूरा स्पाइन एक्टिव होता है। इससे न सिर्फ पीठ का दर्द दूर होता है, बल्कि सर्वाइकल पेन, कंधों की जकड़न और सायटिका जैसी समस्याओं में भी सुधार देखा जाता है।

आयुर्वेद के अनुसार, यह आसन स्पॉन्डिलाइटिस के मरीजों के लिए भी फायदेमंद है, क्योंकि यह रीढ़ को लचीला बनाकर दर्द कम करता है। इसके अलावा, मार्जरी आसन पाचन शक्ति को बढ़ाता है, पेट की चर्बी कम करने में मदद करता है और थायराइड की कार्यप्रणाली में सुधार लाता है। नियमित अभ्यास से तनाव घटता है, मूड बेहतर होता है और नींद की गुणवत्ता बढ़ती है। फेफड़े भी पूरी क्षमता से खुलते हैं, जिससे सांस लेने में आसानी होती है और शरीर ऊर्जावान महसूस करता है। हालांकि, जिन लोगों को गंभीर ज्वाइंट पेन या किसी विशेष रोग की समस्या हो, उन्हें इस आसन का अभ्यास शुरू करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह अवश्य लेनी चाहिए।

ईरान ने कतर में फोड़ी अमेरिका की सबसे बड़ी 'आंख', महायुद्ध के बीच तबाह हुआ 1.1 अरब डॉलर का सीक्रेट रडार

नई दिल्ली(ए.)। अमेरिका और इजरायल के साथ सीधे महायुद्ध में उलझे ईरान ने अब एक ऐसा खौफनाक कदम उठा लिया है, जिससे पेंटागन से लेकर व्हाइट हाउस तक हड़कंप मच गया है। हिंद महासागर में अमेरिका द्वारा एक ईरानी पोत को बेरहमी से डुबाने और 80 से ज्यादा लोगों की दर्दनाक मौत के बाद ईरान बदले की आग में बुरी तरह सुलग उठा। इसी बौखलाहट और बदले की भावना में ईरान ने कतर में मौजूद अमेरिका की सबसे अहम 'आंख' को ही फोड़ डाला है, जिससे पूरे मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सेना लगभग अंधी हो गई है।यह कोई मामूली हमला नहीं था, बल्कि ईरान ने सीधे तौर पर 1.1 अरब डॉलर (करीब 9000 करोड़ रुपये) की लागत वाले उस महाशक्तिशाली अमेरिकी रडार सिस्टम को तबाह कर दिया है, जो उसकी मिसाइल रक्षा प्रणाली की रीढ़ माना जाता था। प्लैनेट लैब्स की ताजा खुफिया सैटेलाइट तस्वीरों ने इस खौफनाक तबाही की गवाही दे दी है। तस्वीरों में कतर स्थित अमेरिकी स्पेस फोर्स के AN/FPS-132 (ब्लॉक 5) बैलिस्टिक मिसाइल अर्ली वार्निंग रडार सिस्टम के पास भीषण आग और तबाही का मंजर साफ देखा जा सकता है, जहां आग बुझाने का काम बदहवासी में चल रहा है।आखिर अभेद्य माने जाने वाले इस अमेरिकी सुरक्षा चक्र में ईरान ने सेंध कैसे लगाई, यह सवाल हर किसी के मन में है। ईरान की कुख्यात इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने इस अचूक हमले की जिम्मेदारी ली है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान ने मिसाइलों और अपने सस्ते लेकिन बेहद खतरनाक 'शाहेद' ड्रोन के एक बड़े झुंड का एक साथ इस्तेमाल करके दुनिया के सबसे ताकतवर अमेरिकी एयर डिफेंस को पूरी तरह चकमा दे दिया। इस आत्मघाती ड्रोन ने करोड़ों के रडार सिस्टम के परखच्चे उड़ा दिए।रेथियॉन कंपनी द्वारा बनाए गए इस रडार की तबाही अमेरिका के लिए किसी खौफनाक सपने से कम नहीं है। 5000 किलोमीटर तक की दूरी से किसी भी घातक बैलिस्टिक मिसाइल को सूंघ लेने वाला यह सिस्टम ईरान, इराक, सीरिया, तुर्किये से लेकर हिंद महासागर तक पल-पल की निगरानी करता था। पेंटागन के पूर्व सलाहकार और सैन्य अधिकारी कर्नल डगलस मैकग्रेगर ने सोशल मीडिया पर साफ चेतावनी दी है कि इस हमले के बाद अमेरिका की मिसाइल पकड़ने वाली 'आंखें' हमेशा के लिए फूट चुकी हैं।

अल-अक्सा मस्जिद में जुमे की नमाज पर इजराइल ने लगाई पाबंदी, मुस्लिम समुदाय भड़का

ईरानी हमलों के चलते पुराने सभी धार्मिक स्थलों को अस्थायी रूप से किया जा रहा बंद

येरुशलम(ए.)। ईरान के साथ जारी युद्ध के बीच इजराइल ने बड़ा और विवादित फैसला लिया है1 इजराइली प्रशासन ने कब्जे वाले पूर्वी

येरुशलम में स्थित अल-अक्सा मस्जिद में जुमे की नमाज पर रोक लगा दी है। यह फैसला रमजान के पवित्र महीने में लिया गया है, जिससे मुस्लिम समुदाय भड़क गया है। इजराइल की सिविल एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा कि यह फैसला सुरक्षा कारणों के चलते लिया गया है। उनका कहना है कि ईरान की ओर से इजराइल और पूरे क्षेत्र पर किए जा रहे मिसाइल हमलों को देखते हुए एहतियाती कदम उठाना जरूरी था।

मीडिया रिपोर्ट में इजराइली अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि पुराने शहर के सभी धार्मिक स्थलों को अस्थायी रूप से बंद किया जा रहा है। इसमें वेस्टर्न वॉल, टेंपल माउंट और चर्च भी शामिल हैं1 प्रशासन ने साफ कर दिया है कि अगले आदेश तक किसी भी धर्म के श्रद्धालुओं या पर्यटकों को इन स्थानों में प्रवेश की इजाजत नहीं दी जाएगी।

ईरान के स्कूल में 150 बच्चियों का कत्लेआम! क्या अमेरिका से अनजाने में हो गया बड़ा गुनाह? सामने आया खौफनाक सच

वाशिंगटन (ए.)। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के 28 फरवरी के महाविनाशकारी हमले के बाद एक ऐसा खौफनाक सच दुनिया के सामने आया है, जिसने इंसानियत की रूह कंपा दी है। इस भीषण बमबारी में दक्षिणी ईरान के मिनाब शहर में स्थित लड़कियों के एक स्कूल को निशाना बनाया गया, जहां 150 मासूम बच्चियों की दर्दनाक मौत की खबर ने पूरी दुनिया में हाहाकार मचा दिया है। खून से सने इस खौफनाक मंजर के बाद हर कोई यह सवाल पूछ रहा है कि क्या महायुद्ध की आड़ में मासूमों का कत्लेआम जायज है? अगर यह एक भयानक गलती थी, तो इसका असली गुनहगार कौन है? अब इस पूरे मामले में एक ऐसी चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है, जिसने सीधे तौर पर अमेरिका को ही कटघरे में खड़ा कर दिया है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की एक बेहद सनसनीखेज रिपोर्ट के मुताबिक, खुद अमेरिकी सैन्य जांचकर्ताओं को इस बात का गहरा शक है कि 150 बच्चियों की मौत के पीछे अमेरिकी सेना का ही हाथ हो सकता है। हालांकि, जांच अभी अपने शुरुआती चरण में है और कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकला है, लेकिन दो शीर्ष अमेरिकी अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर इस बात के स्पष्ट संकेत दिए हैं। रॉयटर्स की इस रिपोर्ट में अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि स्कूल पर तबाही मचाने वाला हथियार कौन सा था और क्या अमेरिका ने जानबूझकर इस खौफनाक घटना को अंजाम दिया या यह किसी मिसाइल की दिशा भटकने का नतीजा था। अधिकारियों का यह भी मानना है कि जांच आगे बढ़ने पर शायद नई जानकारी सामने आए और किसी तीसरे पक्ष की साजिश का पर्दाफाश हो सके।इस भीषण नरसंहार को लेकर जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र के लिए ईरान के राजदूत अली बहरीन ने दावा किया है कि इस दर्दनाक हमले में 150 छात्राएं मारी गई हैं। पूरी दुनिया से उठते सवालों और बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के बीच अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बुधवार को आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने सार्वजनिक तौर पर स्वीकार किया है कि अमेरिकी सेना इस दिल दहला देने वाली घटना की गहन जांच कर रही है। उन्होंने बचाव करते हुए स्पष्ट किया कि अमेरिका कभी भी जानबूझकर नागरिक ठिकानों को अपना निशाना नहीं बनाता। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी साफ तौर पर कहा है कि यदि यह हमला उनकी तरफ से हुआ है, तो युद्ध विभाग इसकी पूरी जिम्मेदारी के साथ जांच करेगा।इस संवेदनशील मुद्दे पर व्हाइट हाउस भी बेहद सतर्क नजर आ रहा है। प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने सीधे तौर पर इस जांच पर कोई टिप्पणी तो नहीं की, लेकिन दुनिया को यह जरूर याद दिलाया कि नागरिकों और बच्चों को निशाना बनाने का क्रूर इतिहास ईरान की सरकार का रहा है, अमेरिका का नहीं। यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता टिमोथी हॉकिन्स ने भी जांच चलने का हवाला देते हुए फिलहाल इस मामले पर कुछ भी बोलने से साफ इनकार कर दिया है, जिससे इस घटना को लेकर सस्पेंस और भी ज्यादा गहरा गया है।

ईरान युद्ध पर यूनिसेफ चिंतित, बच्चे युद्ध शुरू नहीं करते, उन्हें कीमत चुकानी पड़ती है

-हेगसेथ ने दी चेतावनी ईरान पर अमेरिकी सैन्य शक्ति में हो सकती है भारी वृद्धि

मेरिका,(ए)। इजराइल और ईरान के बीच तनाव शुक्रवार को जारी रहा। अमेरिकी सेना ने ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमले तेज कर दिए है, जबकि इजराइल ने अपने अभियान के एक नए चरण का संकेत दिया। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में ईरान पर अमेरिकी सैन्य शक्ति में भारी वृद्धि हो सकती है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी और इजराइली सेनाएं ईरानी सैन्य क्षमताओं को पूरी तरह से नष्ट कर रही हैं। उनका दावा है कि संघर्ष तेज होने के साथ ही ईरान की वायु सेना और नौसेना काफी हद तक तबाह हो चुकी हैं। बता दें श्रीलंका के तट पर अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा दागे गए एक टॉरपीडो से ईरानी युद्धपोत के डूबने से कम से कम 87 लोग मारे गए। रिपोर्ट के मुताबिक 32 लोगों को बचाया गया और उन्हें श्रीलंका के दक्षिणी तट पर स्थित गाले शहर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यूनिसेफ के मुताबिक सप्ताहांत में अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ की गई सैन्य कार्रवाई के बाद से मध्य पूर्व में करीब 200 बच्चों के मारे जाने की खबर है। यूनिसेफ ने बताया कि इनमें से कम से कम 181 बच्चे ईरान में, सात लेबनान में, तीन इज़राइल में और एक कुवैत में मारे गए हैं।

पाकिस्तान में बूंद-बूंद पेट्रोल को तरसेंगे लोग, क्या इस वीकेंड थम जाएगी पूरे देश की रफ्तार?

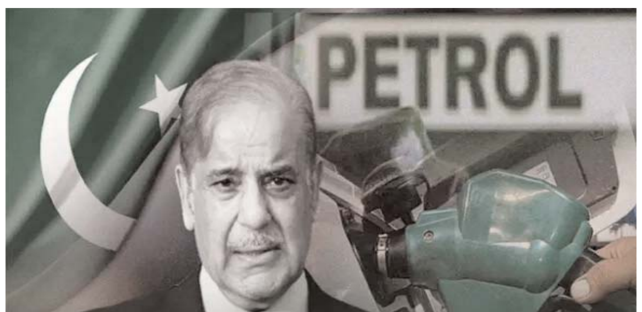

इस्लामाबाद (ए.)। खाड़ी देशों में लगातार जारी भयंकर तनाव और अफगानिस्तान के साथ बिगड़ते रिश्तों के बीच पाकिस्तान से एक बेहद खौफनाक खबर सामने आ रही है। अगर आप सोच रहे हैं कि पाकिस्तान की मुश्किलें कम हो गई हैं, तो जरा ठहरिए! पड़ोसी मुल्क में अब पेट्रोल और डीजल का भयानक अकाल पड़ने वाला है। हालात इतने बेकाबू हो चुके हैं कि अगले कुछ ही घंटों में पूरे देश के पेट्रोल पंपों पर ताले लटक सकते हैं और पाकिस्तान की रफ्तार पूरी तरह से थम सकती है।

सरकार के दावों की उड़ी धज्जियां, 3 दिन से नहीं मिली एक बूंद

पाकिस्तान सरकार भले ही सीना ठोककर यह दावा कर रही हो कि देश के पास अगले 20 से 25 दिनों तक का फ्यूल रिजर्व मौजूद है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। पाकिस्तान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन (PPDA) ने गुरुवार को एक सख्त चेतावनी जारी करते हुए सरकार के इन खोखले दावों की पोल खोल दी है।

एसोसिएशन का साफ कहना है कि उन्हें पिछले तीन दिनों से पेट्रोल की कोई सप्लाई ही नहीं दी गई है। तेल विपणन कंपनियां (OMCs) उन्हें लगातार परेशान कर रही हैं और उनकी तय डिमांड में सीधे 50 फीसदी तक की भारी कटौती कर दी गई है। डीलर्स का कहना है कि अगर हालात तुरंत नहीं सुधरे, तो इस वीकेंड तक पूरे पाकिस्तान में तेल लगभग खत्म हो जाएगा। तेल की इस अभूतपूर्व किल्लत ने महंगाई से जूझ रही पाकिस्तान की अवाम की कमर पूरी तरह तोड़ दी है। एसोसिएशन के सेंट्रल सेक्रेटरी जनरल चौधरी इरफान इलाही ने हालात को बेहद खतरनाक बताया है। पीछे से तेल की सप्लाई रुकने के कारण देश में फ्यूल की कीमतों में अचानक आग लग गई है। इस संकट के बीच रातों-रात पेट्रोल की कीमतों में 35 रुपये (पाकिस्तानी) और डीजल के दामों में 17 रुपये तक का भयानक उछाल आ गया है। डीजल की सप्लाई गिरकर महज 20 फीसदी रह गई है।

खेल समाचार

वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भारत की ऐतिहासिक जीत के बीच हुई ऐसी शर्मनाक हरकत, जानकर खौल उठेगा खून

मुंबई (ए.)। मुंबई के ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में टीम इंडिया ने इंग्लैंड को 7 रनों से कुचलकर शान से फाइनल में एंट्री मार ली है। 253 रनों के विशाल स्कोर वाले इस रोंगटे खड़े कर देने वाले महामुकाबले में रोमांच अपने चरम पर था। लेकिन इसी बीच स्टैंड्स में कुछ ऐसा घट गया, जिसने हर सच्चे भारतीय क्रिकेट फैन का सिर शर्म से झुका दिया है और अब सोशल मीडिया पर इसे लेकर भयंकर बवाल मचा हुआ है।

विदेशी खिलाड़ी के लिए अपने ही देश के खिलाफ नारेबाजी!

मैच के दौरान जब इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज जैकब बेथेल भारतीय गेंदबाजों की बेरहमी से धुनाई कर रहे थे, तभी दर्शक दीर्घा में बैठे कुछ फैंस ने सारी हदें पार कर दीं। बेथेल की तूफानी शतकीय (105 रन) पारी के दौरान स्टेडियम में अचानक 'आरसीबी-आरसीबी' (RCB) के नारे गूंजने लगे। दरअसल, जैकब बेथेल आईपीएल 2026 के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम का हिस्सा हैं। सिर्फ अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी की वफादारी साबित करने के चक्कर में कुछ आरसीबी फैंस इंटरनेशनल मैच में देश को भूल गए और भारतीय टीम के गेंदबाजों की पिटाई पर ही जमकर जश्न मनाने लगे।

सोशल मीडिया पर फूटा लोगों का भयंकर गुस्सा

स्टेडियम की यह हरकत जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुई, क्रिकेट प्रेमियों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। इंटरनेट पर लोगों ने इस हरकत को शर्मनाक और देश के साथ अन्याय करार दिया है। यूजर्स का कड़े शब्दों में कहना है कि जब बात इंटरनेशनल क्रिकेट और वर्ल्ड कप जैसे बड़े मंच की हो, तो देश हमेशा किसी भी आईपीएल टीम से ऊपर होना चाहिए। चंद लोगों की इस क्लब क्रिकेट वाली दीवानगी की वजह से टीम इंडिया के करोड़ों फैंस काफी आहत हुए हैं।

आखिरकार भारतीय शेरों ने ही पलटी हारी हुई बाजी

बीच के ओवरों में भले ही इंग्लैंड का पलड़ा भारी लग रहा था, लेकिन असली हीरो हमारे भारतीय गेंदबाज ही निकले। आखिरी 5 ओवरों में अंग्रेजों को जीत के लिए 69 रनों की दरकार थी और मैच किसी भी तरफ जा सकता था। लेकिन तब यॉर्कर किंग जसप्रीत बुमराह ने अपने 2 ओवरों में ऐसा कहर बरपाया कि पूरा पासा ही पलट गया। इसके बाद 19वें ओवर में हार्दिक पंड्या की घातक गेंदबाजी और आखिरी ओवर में शिवम दुबे के शानदार बचाव ने इंग्लैंड के जबड़े से जीत छीन ली। इसी ऐतिहासिक प्रदर्शन के दम पर भारतीय टीम ने लगातार दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल का टिकट कटा लिया है।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में लवलीना और निकहत से रहेंगी पदकों की उम्मीद

नई दिल्ली (ए.)। 28 मार्च से 11 अप्रैल तक मंगोलिया में होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में 20 सदस्यीय भारतीय दल का नेतृत्व ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और विश्व चैंपियन रही निकहत ज़रीन करेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ ने कड़ी चयन प्रणाली के आधार पर

इस चैम्पियनशिप के लिए अपनी टीम का चयन किया है। एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए चयनित किये गये संभावित खिलाड़ियों को पटियाला में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया गया था। एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले मुक्केबाजों को राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में अवसर मिलेगा। इस कारण इस चैंपियनशिप का महत्व और बढ़ गया है। लवलीना को 75 किग्रा वर्ग में महिला टीम के नेतृत्व की जिम्मेदारी मिली है। स्पेन में स्वर्ण जीतने वाली प्रीति 54 किग्रा, अरुंधति चौधरी 70 किग्रा और प्रिया 60 किग्रा को भी शामिल किया गया है। विश्व चैंपियन मीनाक्षी 48 किग्रा और जैस्मीन 57 किग्रा भी टीम का हिस्सा हैं। महिला वर्ग में निकहत ज़रीन 51 किग्रा में अगुवाई करेंगी। उनके साथ अंकुशिता बोरो 65 किग्रा, पूजा रानी 80 किग्रा, अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान 80 किग्रा रहेंगी।

भारतीय मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने को उम्मीद है कि भारतीय खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करेंगी।

ईरान के फीफा विश्वकप में भाग लेने की संभावना नहीं

इराक या यूएई को मिल सकता है अवसर

लास एंजिल्स (ए)। अमेरिका और इजरायल से जारी संघर्ष को देखते ईरान का आगामी फीफा विश्व कप फुटबॉल से हटना तय है। ईरान को विश्व कप के ग्रुप जी चरण में रखा गया है और उसके तीनों ही मैच अमेरिका में होने हैं और अभी के हालातों कों देखते हुए ये संभव नहीं है कि ईरान अपनी टीम भेजे। उसके मैच कैलिफोर्निया में 15 जून को न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ रखे गये हैं। इसके बाद वह 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ पहले दौर का अपना अंतिम मुकाबला खेलना है। विश्व कप का कार्यक्रम जब बना था तब हालात अलग थे पर जिस प्रकार से अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले किये है और जवाबी कार्रवाई में ईरान ने भी इजरायल और खाड़ी में अमेरिकी ठिकाने को निशाना बनाया है उससे हालात काफी खराब हो गये हैं। एशियाई फुटबॉल महासंघ के उपाध्यक्ष और ईरान के शीर्ष फुटबॉल अधिकारी मेहदी ताज ने कहा, ''निश्चित रूप से इस हमले के बाद हम विश्व कप में भाग लेने की उम्मीद नहीं कर सकते।''

अभी यह तय नहीं है कि ईरान 11 जून से शुरू होने वाले विश्व कप के लिए अपनी टीम भेजेगा या नहीं या अमेरिका की सरकार उसकी टीम को अपने यहां आने की अनुमति देती है या नहीं। फीफा ने अभी तक मामले पर कोई बयन नहीं दिया है। ईरान ने पिछले आठ विश्व कप में से छह के लिए क्वालीफाई किया है। वह 211 टीमों की फीफा विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर है। अगर ईरान विश्व कप से हट जाता है तो उसके फुटबॉल महासंघ को कम से कम 10.5 मिलियन डॉलर का नुकसान होगा। इसके अलावा उस पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। यदि ईरान विश्व कप से हटता है तो एशिया से उसके संभावित विकल्प इराक या यूएई को शामिल कर सकता है। इराक और यूएई एशियाई क्वालीफाइंग में नौवें और दसवें स्थान पर रहे थे।इराक ने प्लेऑफ में यूएई को हरा दिया था और अब विश्व कप में जगह बनाने के लिए उसे 31 मार्च को बोलीविया या सूरीनाम के खिलाफ मैच में खेलना है। इस मैच में जीत से वह विश्व कप में खेल सकेगा।

शास्त्री ने बताया सैमसन की सफलता का राज

मुम्बई (ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने संजू सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके प्रदर्शन में ये अंतर मानसिक मजबूती के कारण आया है। शास्त्री ने कहा कि संजू को अहसास हो गया है कि टीम में बने रहने के लिए निरंतरता की जरुरत है। सैमसन ने विश्व कप में प्रदर्शन में निरंतरता और बेहतर शॉट चयन के सहारे अपने प्रदर्शन में बदलाव किया है।

शास्त्री ने कहा, मुझे लगता है कि उन्हें यह अहसास हो रहा है और वह इस बात को स्वीकार कर रहे हैं कि उन्हें अपने प्रदर्शन में अधिक निरंतरता की जरूरत है। उन्हें अपने शॉट चयन में अधिक समझदारी दिखानी होगी और अपने मजबूत पक्षों पर भरोसा करना होगा। संजू के साथ दिक्कत यह है कि उनके पास हर तरह के शॉट हैं, लेकिन एकाग्रता में कमी है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह मानसिक रूप से मजबूत हो गया है। जब से वह टीम में आया है तब से किसी ने भी उसकी योग्यता पर संदेह नहीं किया। लोग इस बात से निराश हैं कि उनके प्रदर्शन में अब तक जो निरंतरता दिखनी चाहिए थी वह नहीं दिख रही है। लेकिन अब वह परिपक्व हो गया है। सैमसन के सलामी जोड़ीदार अभिषेक शर्मा की फॉर्म फाइनल से पहले भारत के लिए चिंता का विषय है। अभिषेक टी20 विश्व कप में सात पारियों में केवल 89 रन ही बना पाए हैं, लेकिन शास्त्री का मानना है कि भारत को टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज को ही मौका देना चाहिए।

अभिषेक को फाइनल के लिए टीम से बाहर किये जाने संभावना नहीं

अहमदाबाद (ए)। भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा जिस प्रकार से विश्वकप क्रिकेट के अब तक के मैचों में असफल रहे है उसके बाद से ही उनके फाइनल के लिए टीम में रहने को लेकर संशय पैदा हो गया है हालांकि उन्हें टीम से बाहर किये जाने की संभावनाएं नहीं हैं। माना जा है कि खिताबी मुकाबले के लिए टीम में बदलाव का जोखिम प्रबंधन नहीं लेगा। इस टूर्नामेंट में भारत के दो सलामी बल्लेबाजों की किस्मत एकदम से विपरीत रही। अब सभी की नजरें इस बात पर रहेंगी कि अभिषेक इस मुकाबले में कैसा प्रदर्शन करते हैं। वह अपने पिछले छह मैचों में 0, 0, 0, 15, 10 और 9 रन ही बना पाये हैं।

वे केवल एक ही मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ 50 से अधिक रन बना पाये थे। माना जा रहा है कि टीम प्रबंधन फाइनल मुकाबले के लिए शीर्ष क्रम में कोई बदलाव नहीं करेगा। इंग्लैंड के खिलाफ मैच के बाद अभिषेक के सलामी जोड़ीदार संजू सैमसन ने कहा, हम अपने सभी खिलाड़ियों का ध्यान रख रहे हैं। साथ ही कहा कि कोच और कप्तान को को अभिषेक पर पूरा भरोसा है।

गौरतलब है कि मुंबई में पहले लीग मैच के बाद अभिषेक के पेट में संक्रमण हो गया था जिसके लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था। इससे उनका वजन कम हो गया और प्रतियोगिता के महत्वपूर्ण चरण के दौरान उनकी लय बिगड़ गई। यही नहीं विरोधी टीमों ने उनपर अंकुश लगाने के लिए शुरुआती ओवरों में धीमी गति के गेंदबाजों का इस्तेमाल किया है, विशेषकर ऑफ स्पिनरों और बाएं हाथ के स्पिनरों का। इससे उन्हें पारी की शुरुआत में वह गति नहीं मिल पाती जिसके साथ वे खेलना पसंद करते हैं। इस कारण वह शुरुआत में ही अपने विकेट गंवा रहे हैं।पाकिस्तान के खिलाफ पावरप्ले में उन्होंने ऑफ स्पिनर पर आक्रामक शॉट खेलने के प्रयास में कैच दे दिया था। वहीं नीदरलैंड के खिलाफ ऑफ स्पिनर ने उन्हें कोण लेती गेंद पर आउट किया। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में भी धीमी गेंद पर शॉट खेलने की कोशिश में वह फिर से जल्दबाजी कर बैठे और मनचाहा शॉट नहीं लगा पाए। एक और तकनीकी पहलू उनके बल्ले के डाउनस्विंग की गति है। जब गेंद तेजी ये आती है तो तेज डाउनस्विंग के कारण उन्हें धीमी गेंदों से तालमेल बिठाने में मुश्किल हो सकती है।

कल धूमधाम से मनेगी रंगपंचमी

खूब उडेगा रंग गुलाल, युवाओं ने की तैयारी

नर्मदापुरम (निप्र)। शहर में रंगमंचमी धूमधाम से मनेगी। इसके एक दिन पूर्व से तैयारी की जा रही थी। शहर में होली से भी ज्यादा रंग पंचमी पर रंग खेला जाता है। इस मौके पर रंग बरसे कार्यक्रम के साथ ही फाग का कार्यक्रम भी किया जाता है। जिसके चलते रंगीन युवाओं की यात्रा शहर के मुख्य मार्ग से निकलेगी। हर तरफ युवाओं की टोली रंग और गुलाल की मस्ती में मस्त रहेगी। हुरियारों के समूह शहर में जगह जगह रंग लगाते हुए धमाल करेंगे। जिसकी तैयारी युवाओं के द्वारा किया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि बीते वर्षों की तरह इस वर्ष भी शहर में सुबह सतरस्ते से लेकिर शहर के मुख्य मार्ग से फाग यात्रा जिसे रंग बरसे कार्यक्रम के तहत आयोजित किया जाएगा।

दिन के तापमान में होने लगी वृद्धि

नर्मदापुरम (निप्र)। चैत्र माह व मार्च माह का एक सप्ताह बीतने पर गर्मी व तेज धूप एहसास कराने लगी है। इसी के साथ तापमान में भी प्रतिदिन धीरे धीरे वृद्धि होने लगी है। 30-32 डिग्री तापमान हो रहा है। सुबह से ही तेज धूप का असर होने लगा है।

जिससे गर्मी बढ़ती जा रही है। यह गर्मी दिन के साथ साथ रात में भी अपना असर बनाना शुरू कर रही है। अब सुबह शाम की गुलाबी ठंडक कम हो गई है। सिर्फ रात के चतुर्थ पहर में कुछ हल्की ठंड रह गई है।

बांकी दिन और रात में गर्मी का असर साफ तौर पर मेहसूस होने लगा है। इस बार पहले ही गर्मी का असर तेज होने लगा है। पहले रंग पंचमी के बाद गर्मी का असर तेज होता था लेकिन पांच दिन पूर्व होली से ही गर्मी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है।

कायस्थ समाज ने नवनिर्मित श्री चित्रगुप्त मंदिर में किया सामूहिक पूजन अर्चन किया

कलम दवात की हुई पूजन, मंदिर चलो अभियान की हुई शुरुआत

वरिष्ठ पत्रकार बलराम शर्मा सहित अन्य पत्रकारों को किया सम्मानित

नर्मदापुरम (निप्र)। कोठी बाजार स्थित नवनिर्मित श्री चित्रगुप्त मंदिर में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा मध्यभारत नर्मदापुरम द्वारा कायस्थ परिवारों के द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त एवं कलम दवात का सामूहिक पूजन अर्चन शहर के विद्वान आचार्य पं सुनील चौरे के सानिध्य में संपन्न हुआ। पूजन के यजमान महासभा के महासचिव राजेश कुलश्रेष्ठ नगर महिला अध्यक्ष सीमा कुलश्रेष्ठ रहे। पूजन में मंत्रोच्चार से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। तत्पश्चात सभी को प्रसादी एवं स्वल्पाहार का वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रांतीय सचिव राजीव खरे एवं पूर्व पार्षद तेज कुमार गौर रहे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग के निर्देश अनुसार आज से मंदिर चलो अभियान की शुरुआत के अंतर्गत आगामी प्रत्येक गुरुवार को कायस्थ परिवारों के द्वारा सामूहिक आरती का आयोजन किया जाएगा। प्रांतीय सचिव राजीव खरे ने बताया कि राष्ट्रीय महामंत्री अजय श्रीवास्तव ने प्राण प्रतिष्ठा एवं भगवान श्री चित्रगुप्त के पूजन के सफल आयोजन हेतु संपूर्ण कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दी।

पत्रकारों का किया सम्मान

इस विशेष अवसर पर शहर के वरिष्ठ पत्रकारों को भगवान श्री चित्रगुप्त जी के आशीर्वाद स्वरुप कलम, लेखन पुस्तिका श्रीफल एवं माला पहना कर सम्मानित किया गया। जिसमें वरिष्ठ पत्रकार दैनिक क्षितिज किरण के ब्यूरोचीफ बलराम शर्मा, दैनिक भास्कर के नरेंद्र कुशवाहा, पंकज शुक्ला एवं नर्मदा मंथन पत्रिका की संपादक एवं दैनिक प्रदेश टाइम्स की डॉ सीमा कैथवास व अन्य पत्रकार शामिल रहे। उपस्थित पत्रकारों के द्वारा इस उपलक्ष्य में बताया गया कि कायस्थ समाज बुद्धिजीवियों का समाज है देश की प्रगति में विभिन्न प्रशासनिक क्षेत्र में कायस्थों का विशेष योगदान दे रहा है। संचालन महासभा के जिला सचिव एवं युवा समन्वयक विजय प्रकाश श्रीवास्तव एवं नगर युवा अध्यक्ष डॉ दिनेश श्रीवास्तव द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। पूजन व्यवस्था का सुचारु संपादन लता सक्सेना अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ एवं युवा जिला अध्यक्ष भानु प्रकाश श्रीवास्तव एवं उनकी पूरी टीम के द्वारा कुशलता पूर्वक किया गया । आभार प्रदर्शन सभा के महासचिव राजेश कुलश्रेष्ठ के द्वारा किया गया।कार्यक्रम में महासभा के वरिष्ठ सदस्य रिटायर्ड व्याख्याता शिव कुमार श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष पवन सक्सेना, सुरेन्द्र वर्मा अरविंद श्रीवास्तव शरद श्रीवास्तव राघव श्रीवास्तव सुनील राय सुधीर राय सुरेश सक्सेना आलोक श्रीवास्तव रविन्द्र श्रीवास्तव आलोक कुलश्रेष्ठ गणेश श्रीवास्तव अमित श्रीवास्तव बृजेश श्रीवास्तव सौरभ सक्सेना अभिषेक सक्सेना आशुतोष श्रीवास्तव आशीष श्रीवास्तव वीरेंद्र श्रीवास्तव मोहित श्रीवास्तव प्रकाश खरे जयवाला निगम अर्चना श्रीवास्तव कल्पना श्रीवास्तव ख्याति सक्सेना अनुजा श्रीवास्तव माया वर्मा, सुलेखा श्रीवास्तव ममता श्रीवास्तव प्रतिभा खरे प्रतिभा श्रीवास्तव पलक श्रीवास्तव प्रिया श्रीवास्तव निधि श्रीवास्तव नेहा श्रीवास्तव मृदुला वर्मा अग्रिमा सक्सेना अंजू सक्सेना रश्मि कुलश्रेष्ठ रुचि सक्सेना, ऋतु कुलश्रेष्ठ, ऋचा कुलश्रेष्ठ,आरती सक्सेना, संगीता श्रीवास्तव, आराध्या सक्सेना भावना श्रीवास्तव संचिता श्रीवास्तव अंशिता श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

जलगंगा संवर्धन अभियान को जनमानस का अभियान बनाएं : कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना

सभी संबंधित विभाग सक्रियता से करें कार्य

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने निर्देश दिए हैं कि जलगंगा संवर्धन अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु सभी संबंधित विभाग पूर्ण तत्परता और समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि अभियान अवधि के दौरान पूर्व से प्रचलित कार्यों को भी समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए तथा जलसंचय जन भागीदारी पोर्टल पर समस्त डाटा का अद्यतन किया जाना

सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि अभियान के दौरान प्रत्येक विभाग उत्कृष्ट प्रदर्शन सुनिश्चित करे तथा जलमंदिर के अधिक से अधिक कार्य जमीनी स्तर पर क्रियान्वित किए जाएं। उन्होंने समस्त संबंधित विभागीय अधिकारियों को रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए नवाचार आधारित कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारियों (सीएमओ) एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारियों (सीईओ) को निर्देशित किया कि शासकीय एवं अशासकीय भवनों में अधिक से अधिक रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित किए जाने हेतु ठोस एवं प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए। कलेक्टर सुश्री मीना ने कहा कि जलगंगा संवर्धन अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से जनांदोलन का रूप दिया जाए तथा प्रत्येक नागरिक को जलसंचयन के इस महत्वपूर्ण कार्य से जोड़ा जाए। उन्होंने सभी सीईओ एवं सीएमओ को जल संरचनाओं को राजस्व अभिलेखों में दर्ज किए जाने की कार्यवाही विशेष प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। इसके अतिरिक्त कलेक्टर ने उपस्थित समस्त अधिकारियों को नदी-नालों की साफ-सफाई, घाटों की मरम्मत एवं स्वच्छता कार्यों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए ताकि जल स्त्रोतों का संरक्षण एवं संवर्धन सुनिश्चित किया जा सके। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को समन्वित प्रयासों के माध्यम से जल संरक्षण के इस अभियान को जनहित का प्रमुख अभियान बनाए जाने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, अपर कलेक्टर अनिल जैन सहित सभी सीईओ, सीएमओ उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर इटारसी में आत्मरक्षा प्रशिक्षण एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

41 बालिकाओं और महिलाओं ने लिया आत्मरक्षा प्रशिक्षण, 162 हितग्राहियों की हुई स्वास्थ्य जांच

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 6 से 10 मार्च 2026 तक "नारी हर क्षेत्र में अग्रणी" (#SheLeadsBharat) थीम पर जिले में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार 6 मार्च को महिला एवं बाल विकास परियोजना इटारसी के अंतर्गत आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को शारीरिक रूप से सशक्त बनाना तथा उन्हें अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था। जीवोदय संस्था इटारसी में आयोजित आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्पोर्ट्स कौशल विकास नर्मदापुरम की श्रीमती आरती शर्मा के सहयोग से सेल्फ डिफेन्स का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान बालिकाओं एवं महिलाओं को विभिन्न परिस्थितियों में अपनी सुरक्षा कैसे करें, इसके बारे में व्यावहारिक जानकारी दी गई। साथ ही मार्शल आर्ट का प्रदर्शन कर आत्मरक्षा के गुर सिखाए गए। प्रशिक्षण में जीवोदय बालिका गृह तथा आंगनवाड़ी क्षेत्र की बाल सुरक्षा समिति की बालिकाओं सहित कुल 41 बालिकाओं एवं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।इस अवसर पर महिलाओं एवं बालिकाओं को सतर्कता और आत्मविश्वास के महत्व के बारे में भी बताया गया तथा "सतर्कता ही सुरक्षा है" का संदेश दिया गया। इसी के साथ डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. आर.के. चौधरी के सहयोग से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पुरानी इटारसी में महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवाइयों का वितरण किया गया। साथ ही लैब से संबंधित कुल 162 हितग्राहियों की जांच भी निःशुल्क कराई गई।स्वास्थ्य विभाग की टीम में डॉ. शंभवी पालीवाल (मेडिकल ऑफिसर), डॉ.शिल्पा साहू (आयुष चिकित्सा अधिकारी), एएनएम श्रीमती महिमा लाल सिंह, श्रीमती लक्ष्मी सोनी, श्रुति विक्टर, श्रीमती सुलेखा, ऑपरेटर श्रीमती मंजुला, श्रीमती रचना, श्रीमती मालती, श्रीमती बबीता, श्रीमती रितु पटेल तथा श्रीमती नीलमणि चौधरी (आशा कार्यकर्ता) शामिल रहीं।

मालाखेड़ी स्थित गौर कॉलोनी में होली मिलन समारोह आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। होली के अवसर पर मालाखेड़ी स्थित गौर कॉलोनी के मंदिर प्रांगण में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व दुर्गा महिला मंडल की अध्यक्ष निर्मला राठौर ने किया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी में घर से संस्कारों का मिलना आज के समय में अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि समाज और शिक्षा के पाठ्यक्रमों में इनका अभाव दिख रहा है। इस अवसर पर क्षेत्र के स्थानीय लोगों ने एक.दूसरे को अबीर.गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। समारोह में सोनिया, शकुन, रानू, लता मिश्रा, मधु मिश्रा, माया सोनी, पारुल, रितुए छवि, रजनी, दीपिका, सीमा, स्वामी, निर्मला राठौर, शीला आदि महिलाओं ने सम्मिलित होकर होली की बधाई दी।

पांच दिवसीय पंडित रामलाल शर्मा स्मृति समारोह 9 मार्च से

मानस कोकिला श्रीमती कृष्णा देवी मिश्रा के प्रवचन होंगे

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदा तट सत्संग चौक सेठानी घाट पर 9 मार्च सोमवार से पांच दिवसीय पंडित रामलाल शर्मा स्मृति समारोह का शुभारंभ होने जा रहा है जो कि 13 मार्च शुक्रवार तक चलेगा समारोह के 49 वें वर्ष में भागलपुर;बिहार से मानस कोकिला श्रीमती कृष्णा देवी मिश्रा प्रवचन हेतु पधार रहीं है । इस वर्ष आपके प्रवचन का केंद्रीय विषय विभीषण शरणागति है जिस पर आप अपने पांच दिवसीय प्रवचनों को केन्द्रीत होगें। अपनी मधुर वाणी में मानस की चौपाइयां एवं भजनों के सुमधुर गायन के माध्यम से आप नगर के धर्म प्रेमियों के मध्य अपना विशिष्ट स्थान रखती हैं आपके द्वारा कार्यक्रम के अंत में गाए जाने वाला चयन पद नर्मदापुरम के धर्म प्रेमियों में अत्यंत लोकप्रिय है नर्मदापुरम वासियों के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि रामचरितमानस की ऐसी सुविख्यात व्याख्याकार प्रवचन हेतु पधार रही हैं आयोजन समिति के सचिव प्रशांत मुन्नू दुबे द्वारा बताया गया कि समारोह से जुड़ी समस्त तैयारियां पूर्ण हो चुकी है कार्यक्रम की शुरुआत सुर वाणी और वीणा पाणी संस्था के कलाकारों द्वारा भजनों की प्रस्तुति से की जावेगी कार्यक्रम प्रतिदिन सायं 7.30 से प्रारंभ होगा समारोह समिति द्वारा शहर के धर्म प्रेमियों से इस अवसर का अधिकाधिक लाभ लेने का अनुरोध किया गया है।

युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेला का आयोजन 13 मार्च को

जिला रोजगार कार्यालय द्वारा हर माह जिले में बुलाई जा रही हैं अनेक कंपनियां

नर्मदापुरम (निप्र)। केंद्र व राज्य शासन की रोजगार स्वरोजगार योजनांतर्गत जिला रोजगार कार्यालय द्वारा हर माह युवाओं के हित में रोजगार स्वरोजगार मेला युवा संगम का आयोजन जिले में विभिन्न स्थानों पर किया जा रहा है। कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देशानुसार जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय, द्वारा नर्मदापुरम जिले में 13 मार्च को युवा संगम रोजगार मेला का आयोजन शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था नर्मदापुरम में प्रातः 11 से 4 बजे तक आयोजित किया जाएगा। मेले में विभिन्न कंपनियों और विभागों द्वारा युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए जाएंगेए जहां से युवा योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और लाभान्वित हो सकेंगे। जिला रोजगार अधिकारी ने उक्त जानकारी देते हुए कहा है कि रोजगार के इच्छुक युवक एवं युवतियां लिंक पर अपना पंजीयन कर सकते है।युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेला में परियोजना अधिकारी नगरीय विकास एवं आवास विभाग खादी ग्राम उद्योग बोर्ड जिला नर्मदापुरम, प्रबंधक कुटीर ग्राम उद्योग नर्मदापुरम, उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं पशु पालन विभाग, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, सहायक संचालक मछुआ कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, सहायक संचालक मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग तथा अल्प संख्या कल्याण विभाग सहायक कृषि यंत्री कृषि अभियंत्रिकी विभाग पवारखेड़ा, प्रबंधक राष्ट्रीय ग्रामीण अजीविका मिशन, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, एवं उप संचालक उद्यानिक विभाग, एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगे। रोजगार मेला में ट्राइडेंट ;बुदनी, वर्धमान बुधनी, जेड प्लस एकेडमी, यशस्वी ऐकेडमी ;भोपाल पुखराज, एलआईसीसी, एमआईसी, पुष्कल ऐग्रीटेक लिमिटेड, रिया इंटरप्राइजेस, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, रिलायंस, निप्पन इंश्योरेंस, इन्ट्रोगेट पर्शलन सर्विस लिमि फ्रीडम एम्प्लॉय अबिलिटी, श्रीराम फाइनेंस, डीफरेन्स मैनेजमेंट डेवलप्मेंट, भास्कर प्रायवेट लिमिटेड, नव भारत फर्टीलाइजर, सीस सिक्योरिटी गार्ड पुणे, टीण्सीण्एल नागपुर, जे के बायो एग्रीटेक, रिया प्राइवेट लिमिटेड, ऐपीएन सोलर, समर्थन, डिजिटल ट्री, कृषिधन बायो केयर प्राइवेट लिमिटेड, एसएमपीएल इंटीग्रेटेड टेक्स, सीपेट भोपाल, वीई कमर्शियल भोपाल, एशिया सॉफ्ट एवं आयशर भोपाल आदि कंपनियां उपस्थित रहेंगी।

कमिश्नर 11 मार्च को लेंगे, विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी बुधवार 11 मार्च को प्रातः 10:30 बजे से आयुक्त सभा कक्ष में मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम, मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, मध्य प्रदेश हाउसिंग बोर्ड गृह निर्माण मंडल, मध्य प्रदेश क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, ऊर्जा तथा नवीन एवं नवीनीकरण ऊर्जा विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक लेंगे।

सुपर-100 योजना के तहत प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को मिलेगी निःशुल्क कोचिंग, आवास एवं भोजन की सुविधा

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग एवं मेडिकल जैसे प्रतिष्ठित क्षेत्रों में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित सुपर-100 योजना अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 11वीं में प्रवेश दिलाकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं की विशेष तैयारी कराई जाती है। योजना के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शिवाजी नगर भोपाल तथा शासकीय मल्हार आश्रम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, इंदौर में प्रवेश प्रदान किया जाता है। इन संस्थानों में विद्यार्थियों को कक्षा 11वीं एवं 12वीं की नियमित पढ़ाई के साथ-साथ JEE (इंजीनियरिंग) और NEET (मेडिकल) जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए दो वर्ष की निःशुल्क कोचिंग उपलब्ध कराई जाती है।

सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम हेतु एचपीवी टीकाकरण अभियान जारी

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान निरंतर जारी है। इसी क्रम में शुक्रवार को जिले में 47 बालिकाओं को एचपीवी का निःशुल्क टीका लगाया गया।स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 फरवरी से प्रारंभ हुए इस विशेष अभियान के अंतर्गत अब तक कुल 137 बालिकाओं का टीकाकरण किया जा चुका है। नर्मदापुरम जिला मुख्यालय सहित सभी विकासखंडों के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में अवकाश के दिनों को छोड़कर प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक टीकाकरण किया जा रहा है। यह विशेष अभियान आगामी 90 दिनों तक संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी तथा 15 वर्ष पूर्ण न करने वाली बालिकाओं को निःशुल्क एचपीवी टीका लगाया जा रहा है। लोकसभा सांसद, सिवनीमालवा विधायक तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) द्वारा अभिभावकों से अपील की गई है कि वे अपनी पात्र बालिकाओं को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाकर एचपीवी टीका अवश्य लगवाएं।

11 मार्च को आयोजित होगा जनगणना 2027 के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य प्रदेश में 01 मई से 30 मई 2026 की अवधि में निर्धारित समय सीमा में संपादित किया जाएगा।उक्त परिप्रेक्ष्य में जिला एवं चार्ज स्तरीय अधिकारियों के प्रशिक्षण के द्वितीय चरण के अंतर्गत एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 11 मार्च 2026 को प्रातः 10:30 बजे से सायं 05:00 बजे तक किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में CMMS पोर्टल पर हैंड्स-ऑन अभ्यास भी कराया जाएगा, ताकि संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी पोर्टल के उपयोग से भली-भांति परिचित हो सकें। अपर कलेक्टर अनिल जैन ने समस्त चार्ज अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे निर्धारित समय पर प्रशिक्षण में उपस्थित होना सुनिश्चित करें तथा समस्त संबंधित अधिकारी इस दौरान एक लिपिक को अनिवार्य रूप से प्रशिक्षण में साथ लाएं, जो कम्प्यूटर कार्य में दक्ष हो।

समेरिटंस सनातन कैलेंडर का विमोचन

नर्मदापुरम (निप्र)। पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी सनातन वर्ष चैत्र प्रतिपदा के पूर्व समेरिटंस विद्यालय परिवार द्वारा सनातन काल पत्रक यानी कैलेंडर का प्रकाशन किया गया है। इसका विमोचन शुक्रवार को नर्मदा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राम मोहन चौकसे ने किया। ज्ञात रहे कि सनातन संस्कृति के संवर्धन के लिए सतत् प्रयासरत समेरिटंस ग्रुप के संचालक डॉ आशुतोष शर्मा द्वारा लगातार तृतीय वर्ष कैलेंडर का प्रकाशन कराया गया है।इस अवसर पर डॉ चौकसे ने कहा कि डॉ शर्मा का प्रयास और संकल्प निश्चित रूप से प्रशंसनीय और अनुकरणीय है। जो कार्य करने के लिए सरकार अब योजना बना रही है, वही कार्य समेरिटंस ग्रुप वर्षों से करता आ रहा है। उन्होंने कहा कि यह कैलेंडर पूर्णतः सनातन की अवधारणा को साकार करता है। यह तिथियों, सनातनी माह और नक्षत्रों पर आधारित है। इस कार्य में संलग्न सभी को बहुत बहुत शुभकामनाएं। कैलेंडर के प्रकाशन की प्रक्रिया से जुड़े साहित्यकार प्रमोद शर्मा ने कहा कि संभवतः यह एकमात्र ऐसा कैलेंडर है, जो तिथियों और भारतीय गणना पर आधारित है। कैलेंडर का आरम्भ चैत्र प्रतिपदा से होगा, जबकि वर्ष का अंत सालभर बाद चैत्र माह की अमावस्या को होगा। सनातनी नया वर्ष 19 मार्च को आरंभ हो रहा है। यह कार्य डॉ शर्मा की सनातन के प्रति निष्ठा और उनके दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है। कार्यक्रम का संचालन आर्ट शिक्षक राजेश व्यास ने किया जबकि आभार प्राचार्य श्रीमती प्रेरणा रावत ने व्यक्त किया। विमोचन समारोह में प्राचार्य श्रीमती रावत, विक्रांत खम्परिया, राजेंद्र रघुवंशी, चंदन मंडल, सचिन खम्परिया, मुकेश भादोरिया सहित शिक्षकगण और बच्चे उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com